वर्ष : 33 | अंक : 245 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, गुरुवार, 21 नवंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन भारी, झारखंड में छिन रहा हेमंत का ताज

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

झारखंड

हो सकती है हेमंत सोरेन की विदाई

- एनडीए और INDIA ब्लॉक में कांटे की टक्कर
- झारखंड के 8 में से 4 पोल में भाजपा को बहुमत

रांची। झारखंड की 81 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग बुधवार को पूरी हो गई। झारखंड में 8 एग्जिट पोल आए। इनमें से 4 में भाजपा गठबंधन, जबकि 2 में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। बाकी 2 एग्जिट पोल्स ने हंग असेंबली के आसार जताए हैं।

पोल ऑफ पोल्स

झारखंड

भाजपा+	33-42
JMM+	30-39
अन्य	2-6

कुल सीट: 81 | बहुमत: 41

Exit Poll एजेंसी का उड़ा 'फ्यूज'

चुनावों के बाद एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियों में से एक का झारखंड में आकर दिमाग घूम गया। संभवत: पहली बार एग्जिट पोल करने वाली किसी एजेंसी ने स्पष्ट रूप से कहा, 'हम नहीं बता सकते कि किस पार्टी की सरकार बन रही है।'

झारखंड में 67 .59 फीसदी वोटिंग

झारखंड के सीईओ (मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी) के रवि कुमार ने कहा कि सभी के सहयोग से दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। शाम पांच बजे तक करीब 67 .59 प्रतिशत मतदान हुआ है। वोटर टर्नआउट की रिपोर्ट रात 11 बजे तक आ सकती है, जबकि फाइनल रिपोर्ट गुरुवार दोपहर तक आएगी। इवीएम मशीनें गुरुवार दोपहर बाद तक स्क्रूटनी के बाद स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दी जाएंगी। आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में बुधवार को पांच केस दर्ज किए गए हैं और एक पर केस दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है। अब तक 207 .36 करोड़ के अवैध सामान और कैश जब्त किए जा चुके हैं। वह बुधवार को धुर्वा के निर्वाचन सदन में राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता कर रहे थे।

भाजपा+	135-157
कांग्रेस+	123-140
अन्य	10-15

कुल सीट: 288 | बहुमत: 145

टाइट-फाइट में महायुति का जलवा

मुंबई। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग बुधवार को पूरी हो गई। नतीजे तो 23 नवंबर को आएंगे, लेकिन उससे पहले आए एग्जिट पोल्स। महाराष्ट्र में 11 एग्जिट पोल में से 6 में भाजपा गठबंधन यानी महायुति की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। बाकी 4 एग्जिट पोल्स में कांग्रेस गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को बहुमत मिलने की बात कही गई है। एक में हंग एसेंबली है।

- 11 में से 6 पोल में भाजपा गठबंधन की सरकार
- 4 एग्जिट पोल्स में महाविकास अघाड़ी को बहुमत

वोट प्रतिशत में परिवर्तन कहीं जायका बिगाड़ न दे?

साल 2004 और 2009 में 60 प्रतिशत से लेकर तकरीबन 64 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली यूपीए की सरकार बन गई थी। वहीं, साल 2014 और 2019 में 61 प्रतिशत से लेकर 63 प्रतिशत वोट हासिल कर एनडीए बहुमत में आ गई थी। साल 2004 में यूपीए ने एनडीए से 2.49 फीसदी ज्यादा वोट पाकर सरकार बनाई थी। वहीं साल 2009 में भी यूपीए को 3.94 प्रतिशत मत एनडीए से ज्यादा मिला था। यहीं ट्रेंड 2014 में भी जारी रहा, जब एनडीए ने 63.08 प्रतिशत वोट हासिल किया था। जबकि, यूपीए को एनडीए से 3.58 प्रतिशत कम वोट मिला। वहीं, साल 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए को 61.1 प्रतिशत मत आए। यूपीए को इस चुनाव में एनडीए से 1.98 प्रतिशत कम वोट मिले। ऐसे में इस बार वोट प्रतिशत में थोड़ा भी इधर-उधर हुआ तो परिणाम हरियाणा की तरह रोचक भी आ सकते हैं।

23 नवंबर को कौन मारेगा बाजी?

एग्जिट पोल के नतीजे से साफ संकेत मिल रहे हैं कि महाराष्ट्र में एक बार फिर से महायुति की सरकार बन सकती है। हालांकि, हरियाणा चुनाव में तकरीबन सभी एग्जिट पोल ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया था। लेकिन, फाइनल नतीजे में कांग्रेस हार गई और बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर ली। ऐसे में जब तक फाइनल नतीजे नहीं आ जाते हैं तब तक कांग्रेस और बीजेपी की सांसे अटकी रहेंगी। फिलहाल बीजेपी कैंप में एग्जिट पोल के नतीजे से खुशी की लहर है तो कांग्रेस खेमे में उदासी। कुल मिलाकर ज्यादातर एग्जिट पोल से साफ संकेत मिल रहे हैं कि महाराष्ट्र में महायुति (बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजति पवार की एनसीपी) ने महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी) को पछाड़ दिया है।

'महा' मतदान खत्म, काउंटडाउन जारी

महाराष्ट्र की 288 सीटों पर 58% मतदान

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटों पर बुधवार (20 नवंबर) को वोटिंग खत्म हो गई। राज्य में औसत 58.57 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। इस बीच बीजेपी नेता और राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वोटिंग परसेंटेज को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया है कि वोटिंग प्रतिशत बढ़ने का हमेशा महायुति और बीजेपी को फायदा मिलेगा।

गढ़चिरौली ने मुंबई को दिखाया आईना

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली इलाका नक्सलवाद के लिए जाना जाता है। साथ ही यह इलाका महाराष्ट्र के दूसरे क्षेत्रों की तुलना में कम विकसित है। लेकिन इस चुनाव में अभी तक गढ़चिरौली से जो आंकड़े निकलकर आए हैं वो हौसला बढ़ाने वाले हैं। सबसे ज्यादा वोटिंग गढ़चिरौली में 69 .63% और सबसे कम वोट मुंबई सिटी में 49 .07% डाले गए। चुनाव आयोग के अनुसार, मुंबई, पुणे और ठाणे जैसे शहरों में वोटर्स की कम भागीदारी देखी गई।

शहरी मतदाताओं ने किया निराश

मुंबई शहर जिले में 49 .07 प्रतिशत मतदान हुआ और मुंबई उपनगरीय जिले में 51.76 प्रतिशत मतदान हुआ। दक्षिण मुंबई के कोलाबा विधानसभा क्षेत्र में 41 .64 प्रतिशत, माहिम में 55 .23 प्रतिशत और वर्ली में 47 .50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शिवडी में 51 .70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि मालाबार हिल में 50 .08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मुंबई के उपनगर भांडुप में 60 .18 प्रतिशत, दहिसर में 50 .98 प्रतिशत और बांद्रा पूर्व में 49 .51 प्रतिशत मतदान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे के कोपरी-पाचपाखाडी विधानसभा क्षेत्र में 55 .77 प्रतिशत मतदान हुआ जहां उनका मुकाबला शिवसेना (उबाठा) उम्मीदवार केदार दिघे से है। वहीं ठाणे जिले का समग्र प्रतिशत 49 .76 प्रतिशत रहा।

परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे CM शिंदे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पूरे परिवार के साथ ठाणे में वोटिंग की। उन्होंने कहा- चुनाव में महायुति गठबंधन को बहुमत मिलेगा। लोकतंत्र का ये पर्व महाराष्ट्र को अच्छे भविष्य की ओर ले जाएगा। यह मजबूत महाराष्ट्र बनाने का मौका है। लोगों ने ढाई साल तक हमारा काम देखा है। हमने जो काम किया है, जो विकास किया है, वो लोगों ने देखा है। डेवलपमेंट के लिए लोग हमें वोट देंगे।

वोटिंग के दिन कांग्रेस नेता का यू-टर्न

कांग्रेस नेता प्रणीति शिंदे ने बुधवार को महाराष्ट्र की सोलापुर दक्षिण विधानसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार धर्मराज कडाडी को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस सीट पर उनकी पार्टी की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) चुनाव लड़ रही है। दक्षिण-पश्चिमी महाराष्ट्र में वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन के नियमों का पालन किया गया और कांग्रेस ने अपने सदस्य कडाडी को 'एबी' फॉर्म (एक दस्तावेज जिसमें पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार का उल्लेख होता है) नहीं दिया, जो बाद में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे।

कई जगहों पर EVM खराब, वोटिंग में देरी

मालेगांव आउटर विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 292 पर सुबह करीब 8 :30 बजे ईवीएम मशीन बंद हो गई। ईवीएम मशीन में इनवैलिड वोट दिखा रहा था। नासिक के पंचवटी इलाके में कई बूथों पर तकनीकी खराबी के चलते 20 मिनट वोटिंग रुकी रही। मध्य नागपुर विधानसभा क्षेत्र के संत कबीर प्राइमरी स्कूल मतदान केंद्र में ईवीएम में तकनीकी खराबी आ गई। एक घंटे की देरी से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। उत्तर नागपुर संसदीय क्षेत्र में कस्तूरबा नगर इलाके में भी ईवीएम बंद हो गई।

BJP कैंडिडेट ने निर्दलीय को दी जान से मारने की धमकी

नंदगांव विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी समीर भुजबल और शिंदे गुट के प्रत्याशी और विधायक सुहास कांडे आमने-सामने आ गए। इस दौरान सुहास कांडे ने समीर को धमकी दी कि आज तुम्हारी हत्या तय है। पुलिस ने फिर मामला शांत करवाया। दरअसल, समीर ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी सुहास कांडे ने अपने कॉलेज में गन्ना श्रमिकों को रखा था। सूचना थी कि वे पैसे बांट रहे थे।

शिरडी में फर्जी मतदान का आरोप

कांग्रेस नेता श्रीनिवास BV ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। श्रीनिवास ने एक लड़की का वीडियो शेयर किया और कहा कि ये लड़की रहने वाली धुले की है और मतदान शिरडी में कर रही है। शिरडी धुले से 300 किमी दूर है।

बीड में निर्दलीय प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत

बीड विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवार बालासाहेब शिंदे की मतदान केंद्र पर ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वे छत्रपति शाहू विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर ठहरे हुए थे। इसी बीच उन्हें चक्कर आ गया और वह गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री शिंदे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे केदार दिघे पर एफआईआर दर्ज

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीट पर मतदान बुधवार को हुआ। महायुति और महा विकास अघाड़ी के बीच इस चुनावी जंग में कौन बाजी मारेगा यह तो 23 नवंबर को पता चल जाएगा। लेकिन उससे पहले महा विकास अघाड़ी के एक उम्मीदवार की मुश्कलों में फंस गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोपरी-पचपाखड़ी सीट से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार केदार दिघे की मुश्किलें बढ़ गई है। चुनाव के एक दिन पहले पैसे और शराब बांटने के मामले में केदार दिघे के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। केदार दिघे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। केदार दिघे शिंदे के राजनीतिक गुरु दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे हैं, जिनका शिवसेना नेता के रूप में ठाणे में काफी प्रभाव था। केदार दिघे के खिलाफ बुधवार को ठाणे की पुलिस ने शराब और नकदी रखने के आरोप में मामला दर्ज किया।

नकदी और शराब के साथ पकड़ा गया

कोपरी पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार केदार दिघे और कुछ अन्य लोगों को मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे अष्टविनायक चौक पर लिफाफों में नकदी और शराब के साथ पकड़ा गया। उन पर आरोप है कि वे मतदाताओं को पैसे और शराब बांटने की योजना बना रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार कोपरी-पचपाखड़ी सीट से उद्धव ठाकरे गुट के उम्मीदवार केदार दिघे पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 174 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में दावा किया कि उनकी कार में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार दिघे ने कहा कि "यह विरोधियों द्वारा मुझे बदनाम करने की कोशिश है। मैं खुद कार लेकर पुलिस थाने गया था। उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है, वह राजनीति से प्रेरित है।"

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 10 फीसदी मराठा आरक्षण पर उठाए सवाल

▶▶ 5 दिसंबर को अगली सुनवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के 10 फीसदी मराठा आरक्षण पर उठाते हुए कहा कि मराठा समुदाय के पिछड़ेपन को दिखाने के अलावा, महाराष्ट्र सरकार को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में समुदाय को 10 फीसदी आरक्षण देते समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 फीसदी की सीमा के उल्लंघन का औचित्य बताना होगा। 5 दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय, न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने राज्य सरकार से इस कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मराठा समुदाय को आरक्षण देने का औचित्य बताने को कहा है। सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग श्रेणी के तहत समुदाय को 10 फीसदी आरक्षण देने वाला कानून महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा इस साल 20 फरवरी को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुनील बी शुक्रे की अध्यक्षता वाले महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एसएसबीसीसी) की रिपोर्ट के आधार पर पारित किया गया था। राज्यपाल की अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की गई थी। इस आदेश को चुनौती देने और समर्थन करने के लिए कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

पूरा मामला समझें

राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने अपनी दलील में कहा कि राज्य सरकार को ऐसे समुदाय को आरक्षण देने से कोई नहीं रोक सकता, जिसका सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जयश्री पाटिल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विश्लेषण करने का प्रयास किया है, जिसके द्वारा शीर्ष अदालत ने 2018 में मराठा समुदाय को दिए गए आरक्षण को रद्द कर दिया था। उस त्रुटियों को दूर किया गया है। राज्य सरकार ने पहले दो मौकों पर समुदाय को आरक्षण दिया है। 2014 में अदालत ने सरकार को आरक्षण के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया था, जबकि 2018 में इसने अधिवक्ता जयश्री पाटिल की याचिका पर आरक्षण को रद्द कर दिया था। महाधिवक्ता सराफ ने पीठ को बताया कि एमएसबीसीसी ने समुदाय के पिछड़ेपन का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण कैसे किया? इस पर अदालत ने कहा कि अन्य चीजें पीछे छूट जाएंगी और राज्य को आरक्षण के लिए 50 फीसदी कोटा का उल्लंघन करने का औचित्य साबित करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इंद्रा साहनी मामले में कहा था कि किसी भी राज्य में कुल कोटा 50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। सराफ ने जवाब दिया कि पहले समुदाय के पिछड़ेपन का निर्धारण किया जाना चाहिए। एक बार (पिछड़ापन) निर्धारित हो जाने के बाद देखें कि क्या सीमा का उल्लंघन किया जा सकता है? सिर्फ इसलिए कि कुछ (राज्य के) मुख्यमंत्री किसी विशेष समुदाय से हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि पूरा समुदाय पिछड़ा नहीं है। महाराष्ट्र में 12 मुख्यमंत्री मराठा समुदाय से थे, जिनमें वर्तमान सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार शामिल हैं।

पप्पू कालानी और कुमार आयलानी आमने-सामने

विधायक कुमार आयलानी ने ठाणे पुलिस आयुक्त से की कार्यवाही की मांग

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

बुधवार दोपहर 141 विधानसभा चुनाव के बीच शहर के पूर्व विधायक पप्पू कालानी अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशी कुमार आयलानी के संपर्क कार्यालय के सामने अचानक पहुंच गए। इससे माहौल गर्मा गया और दोनों के समर्थकों ने एक दूसरे के विरोध में नारे लगाए। मामला बिगड़ता देख आयलानी द्वारा अपने समर्थकों से शांत रहने की अपील के बाद कालानी अपने एक समर्थकों के साथ चले गए।जिसे लेकर विधायक कुमार आयलानी ने राज्य चुनाव आयोग, ठाणे पुलिस आयुक्त से पप्पू कालानी के खिलाफ दहशत निर्माण करने को लेकर शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की है। मनसे उम्मीदवार भगवान भालेराव को जानकारी मिली कि उल्हासनगर में भाजपा उम्मीदवार कुमार आयलानी के टेलीफोन एक्सचेंज कार्यालय पर सैकड़ों महिलाएं एकत्र हुई हैं। उन्होंने चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर विजयानंद शर्मा से शिकायत की और आरोप लगाया कि मार्च को आयलानी के कार्यालय

पास पैसे बांटे जा रहे हैं। पुलिस और चुनाव टीम ने आयलानी के संपर्क कार्यालय में आकर तलाशी ली। लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा तो कार्यालय को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया। जब यह जानकारी पप्पू कालानी को मिली तो वह भी आयलानी के संपर्क कार्यालय पहुंचे। जैसे ही कालानी अपने समर्थकों के साथ दिखे भाजपा कार्यालय पहुंचे तो उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और कालानी समर्थकों ने भी विरोध में नारे लगाए। आखिरकार कुमार आयलानी पप्पू कालानी से बहस कर रही महिला को ऑफिस ले गए और कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की। कुमार आयलानी ने कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की तो पप्पू कालानी भी एक समर्थक के साथ वापस लौट गये। आयलानी के नरम रुख अपनाने और कालानी के पीछे हटने से बड़ी घटना होने से रुक गई है।वही गोलमैदान में कालानी समर्थक पार्टी के एक पदाधिकारी का कार्यालय भाजपा पदाधिकारियों द्वारा बंद कर दिए जाने से कालानी और आयलानी के बीच एक और दरार पैदा हो गई है। इस संबंध में चुनाव निर्णय अधिकारी एवं पुलिस द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है? इस ओर सबका ध्यान है।

बच्ची के अपहरण और तस्करी के मामले में लेस्बियन जोड़े को हाईकोर्ट से मिली जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट से बच्ची के अपहरण और तस्करी के मामले में एक समलैंगिक (लेस्बियन) जोड़े को जमानत मिल गई। अदालत ने कहा कि जोड़े ने माता-पिता बनने की इच्छा से पांच साल बच्ची का अपहरण किया। प्रथम दृष्टया जोड़े के खिलाफ अपहरण का मामला बनता है, लेकिन उनके खिलाफ साक्ष्यों से अपहरण का आरोप साबित नहीं होता है। न्यायमूर्ति मनीष पितले की एकलपीठ के समक्ष समलैंगिक (लेस्बियन) जोड़े की की ओर से वकील हर्षद साठे की दायर जमानत याचिका

पर सुनवाई हुई। पीठ ने कहा कि जोड़े का आचरण प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 के तहत अपहरण के मानदंडों को पूरा करता है, जो एक जमानती अपराध है, लेकिन यह धारा 370 के तहत तस्करी के लिए आवश्यक नहीं है। पीठ ने पाया कि एक प्रमुख गवाह के बयान ने जोड़े के इस दावे का समर्थन किया कि वे लगभग दस वर्षों से एक साथ रह रहे थे और उन्होंने एक मंदिर में विवाह भी किया था। यह कथन याचिकाकर्ताओं के पक्ष में प्रथम दृष्टया दर्शाता है कि वे समलैंगिक संबंध में हैं। वे एक बच्चा चाहते थे, जो जैविक रूप से असंभव था। वर्तमान स्थिति में वे एक बच्चे को गोद लेने में भी असमर्थ होंगे। जोड़े के वकील हर्षद साठे ने दलील दी कि उनकी हरकतें बच्चे पैदा करने की इच्छा से प्रेरित थीं, न कि नाबालिग को नुकसान पहुंचाने की। अभियोजन पक्ष ने कहा कि जोड़े की हरकतें तस्करी के बराबर हैं। बच्ची को उसके माता-पिता से बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। यह एक वित्तीय लेनदेन का हिस्सा था। यह घटना इस साल मार्च में तब सामने आई, जब मुंबई के घाटकोपर में एक पांच वर्षीय लड़की घर से लापता हो गई। उसके माता-पिता ने 18 मार्च को गुमशुदगी की शिकारत दर्ज कराई। पुलिस को जांच में पता चला कि समलैंगिक जोड़े ने कई सह-आरोपियों के साथ मिलकर बच्ची का अपहरण किया। पुलिस ने 22 मार्च को उनके पास से बच्ची को बरामद किया। आरोप है कि सह-आरोपी ने बच्ची को 9 हजार रुपए में जोड़े को सौंप दिया था। पुलिस ने बच्ची के मामता पिता की शिकायत पर आईपीसी की धारा 363 के तहत अपहरण और धारा 370 के तहत तस्करी का मामला दर्ज कर जोड़े को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र चुनाव के दौरान 707 करोड़ रुपए जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आचार संहिता के दौरान नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं की जब्ती की राशि 707 करोड़ रुपए की रही। अधिकारियों ने बुधवार बताया कि 15 अक्टूबर से 20 नवंबर के बीच सी-विजिल ऐप पर आईं आचार संहिता उल्लंघन की 10139 शिकायतों में से 10134 शिकायतों का निराकरण किया गया।

ड्रग तस्करी के मुख्य आरोपी को मिली जमानत

238 किलोग्राम एमडी के साथ पकड़ा गया ड्रग तस्कर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट से ड्रग तस्करी के मुख्य आरोपी भानुदास मोरे को जमानत मिल गई। अदालत ने उसे इस आधार पर जमानत दी कि मुकदमा धीमी गति से चल रहा था। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 2017 में मोरे को पालघर की एक फैक्ट्री में 238 किलोग्राम मेफेड्रोन और 8.2 किलोग्राम हशीश बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति एन.जे.जमादार की एकलपीठ के समक्ष भानुदास मोरे की ओर से वकील ताबिश मूमन की दायर जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की वकील ने दलील दी कि मुकदमे को शीघ्रता से समाप्त करने के अदालती आदेश के बावजूद मुकदमे को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। विशेष सरकारी वकील की अनुस्थिति के कारण कार्यवाही अक्सर स्थगित कर दी जाती है। यह अदालत के समक्ष दायर की गई दूसरी जमानत याचिका है।

पालघर के आदर्श चिकित्सा विज्ञान संस्थान के डीन डॉ. गिरीश को राहत

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के समक्ष करमरकर को अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की दी अनुमति

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट से पालघर के आदर्श चिकित्सा विज्ञान संस्थान के डीन डॉ.गिरीश करमरकर को राहत मिली है। अदालत ने उन्हें डेढ़ सौ सीटों के मेडिकल कॉलेज शुरू करने की अनुमति के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के समक्ष इस साल 19 नवंबर तक अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की अनुमति दी। साथ ही अदालत ने डीन के अतिरिक्त दस्तावेज पर 26 नवंबर तक निर्णय लेना का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति ए.एस.चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश एस.पाटिल की पीठ के समक्ष पालघर के आदर्श चिकित्सा विज्ञान संस्थान के डीन डॉ.गिरीश करमरकर की ओर से अनिल अंतुरकर की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में पीठ से आयोग को उनके अतिरिक्त दस्तावेज पेश कर अपना पक्ष रखने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता के वकील अनिल अंतुरकर ने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के पास शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए डेढ़ सौ सीटों के मेडिकल कॉलेज शुरू करने की इजाजत मांगी गई थी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने इस साल 4 जुलाई याचिकाकर्ता को मुख्य रूप से इस आधार पर मेडिकल कालेज की इजाजत नहीं दी कि संस्थान 150 सीटों के लिए अनुमति मांग रहा था, लेकिन उसके पास सीटी स्कैन और एईआरबी लाइसेंस नहीं था। आरोग के तीन मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत गोपनीय रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि अस्पताल के आईपीडी और ओपीडी में भर्ती दिखाए गए मरीज फर्जी प्रतीत होते हैं। केस शीट खाली थीं।

▶▶ अदालत ने डेढ़ सौ सीटों के मेडिकल कॉलेज शुरू करने की अनुमति के लिए राहत

▶▶ आयोग को संस्थान के अतिरिक्त दस्तावेज पर 26 नवंबर तक निर्णय लेना का दिया निर्देश

26 नवंबर तक निर्णय लेने का निर्देश

आयोग ने 7 अगस्त याचिकाकर्ता की अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इसमें कोई योग्यता नहीं है। जबकि 2019 के अधिनियम की धारा 28(3) के पहले प्रावधान के अनुसार कमियों को दूर करने का अवसर याचिकाकर्ता को दिया जाना चाहिए था। ऐसा अवसर नहीं दिया गया। आयोग द्वारा याचिकाकर्ता को अस्वीकृति पत्र पर अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया, तो बहुत पक्षपातपूर्ण है। पीठ ने याचिकाकर्ता को आयोग के प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष अतिरिक्त दस्तावेजी सामग्री पेश करने के लिए 19 नवंबर 2024 तक का समय दिया और आयोग को याचिकाकर्ता के अतिरिक्त दस्तावेज पर विचार पर 26 नवंबर तक निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

'कैश फॉर वोट' केस

ED ने दुबई भागने रहे व्यक्ति को किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ED ने कथित कैश-फॉर-वोट मामले में एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति का नाम नागनी अकरम मोहम्मद शफी है। वो अहमदाबाद एयरपोर्ट से दुबई जाने

की तैयारी में था। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी थी।

100 करोड़ की रकम का मामला

दरअसल, 7 नवंबर को नासिक में मालेगांव छावनी थाना पुलिस ने नासिक मर्चेंट को-ऑपरेटिव बैंक (NAMCOB) में नए खोले गए 14 खातों में 100 करोड़ रुपए से अधिक की रकम जमा मामले में शफी के खिलाफ केस दर्ज किया था। FIR जयस लोटन मिसाल ने दर्ज कराई थी। उसने शिकायत में कहा था कि सिराज अहमद मोहम्मद हारुन मेमन और उसके साथियों ने उसके पहचान दस्तावेजों के साथ-साथ उसके भाई गणेश मिसाल और दूसरे लोगों के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया इस दस्तावेजों के आधार पर फर्जी कंपनियां बनाई गईं।

'महाराष्ट्र में बन रही है महाविकास अघाड़ी की सरकार'

रितेश देशमुख ने वोटिंग के बाद किया बड़ा दावा

डीबीडी संवाददाता । लातूर

बॉलीवुड स्टार और मशहूर कपल रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा महाराष्ट्र चुनाव के लिए वोटिंग करने पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रितेश देशमुख ने कहा कि उनके दोनों भाई इस चुनाव में जीतेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि सूबे में महाविकास अघाड़ी की सरकार बन रही है।

रितेश देशमुख की पत्नी और

बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने भी वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी को वोट देने का अधिकार है। लोगों को बाहर आकर अपने अधिकार का इस्तेमाल करना है। यह एक महत्वपूर्ण दिन है जो कि बड़ा डिफरेंस पैदा कर सकता है।

भाजपा उम्मीदवारों पर पैसे बांटने का आरोप

एम.एन.एस. उम्मीदवारों की चुनाव आयोग से शिकायत

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

मनसे उम्मीदवार भगवान भालेराव ने उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार कुमार आयलानी पर मतदाताओं को पैसे बांटने का गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यालय के बाहर हंगामा किया। इस मामले से उल्हासनगर के राजनीतिक हलके में हलचल मच गयी और चुनाव आयोग की भूमिका ने सबका ध्यान खींचा है। मतदान के दिन दोपहर मनसे उम्मीदवार भगवान भालेराव अपनी कार से कही जा रहे थे

कि उन्होंने भाजपा पार्टी कार्यालय के पास महिलाओं की बड़ी भीड़ देख रुककर देखा कि कार्यालय के बाहर महिलाओं को एक कूपन दिया जा रहा है।उस कूपन द्वारा पड़ोस की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान से महिलाओं को पैसे बांटे जा रहे हैं। ऐसा आरोप लगाते हुए भगवान भालेराव ने तुरंत इसकी सूचना चुनाव आयोग और पुलिस को दी। इस जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। हालांकि बीजेपी उम्मीदवारों ने इस आरोप से इनकार किया और बताया कि महिलाओं को केवल मतदान केंद्र से संबंधित पर्चियां दी गई थीं। इस मामले से उल्हासनगर का राजनीतिक माहौल गरमा गया। बीजेपी ने मनसे पर झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाने की बात कही और इस मामले की चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। भाजपा प्रत्याशी कुमार आयलानी ने कहा कि आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। 'हम महिलाओं को केवल उनके नाम और मतदान केंद्र के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया, 'मनसे ने चुनाव को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाए हैं।' हालांकि, भगवान भालेराव ने कुमार आयलानी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह गंभीर मामला है। उन्होंने कहा, चुनावों की पारदर्शिता के लिए ऐसी घटनाओं की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पैसे बांटकर चुनाव जीतने की कोशिश करना लोकतंत्र का अपमान है। हमने चुनाव आयोग को सबूत दिए हैं और हम सच्चाई सामने लाने के लिए लड़ते रहेंगे।

महाराष्ट्र की जनता ने नकारा भाजपा का नोट जिहाद और दारु जिहाद: पटोले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बारे में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी के ही नेतृत्व में अगली सरकार बनेगी। अब तक मतदान के जो भी रुझान रहे हैं, उससे साफ लग रहा है कि सबसे ज्यादा उम्मीदवार कांग्रेस पार्टी के ही जीत कर आने वाले हैं। इसीलिए भारतीय जनता पार्टी अनाप-शनाप आरोप लगाकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र की जनता नाना पटोले को अच्छी तरह से जानती है। कांग्रेस पार्टी संविधान को मानने वाली पार्टी है। वह नोट जिहाद और दारू जिहाद पर भरोसा नहीं करती। भारतीय जनता पार्टी इसी के जरिए चुनाव जीतने की कोशिश कर रही थी, लेकिन महाराष्ट्र की जनता ने उसे नकार दिया है।

सियासी गहमागहमी के बीच क्रिप्टोकरेंसी कांड

- बिटकॉइन मामले में शुरू हुई छापेमारी लपेटे में आ सकते हैं कई बड़े नेता
- छत्तीसगढ़ तक पहुंची महाराष्ट्र के बिटकॉइन मामले की आंच ED की टीम ने रायपुर में की जांच

क्या है मामला ?

भारतीय जनता पार्टी ने वोटिंग से एक दिन पहले मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता व बारामती से सांसद सुप्रिया सुले तथा कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले की कथित आवाज वाली रिकॉर्डिंग सुनाई और आरोप लगाया कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए बिटकॉइन को भुनाने का प्रयास किया जा रहा था।

ईडी ने जांच का दायरा बढ़ाया

ईडी के सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने क्रिप्टो (बिटकॉइन) संपत्ति पोंजी घोटाले में जारी धनशोधन जांच का दायरा बढ़ा दिया है और मेहता तथा राजनीतिक नेताओं के साथ कुछ अन्य लोगों और नौकरशाहों के संबंधों की जांच की जा रही है। अप्रैल में एजेंसी ने इस क्रिप्टो-पोंजी जांच के तहत बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की 98 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी। दंपति ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती दी थी और बंबई उच्च न्यायालय से उन्हें राहत मिल गई थी।

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा उठाया गया बिटकॉइन का मामला कई नेताओं के गले की फांस बन सकता है। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान चल रहा था इसी दौरान ईडी ने इस मामले को लेकर छापेमारी शुरू कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र में बिटकॉइन के राजनीतिक लेनदेन मामले से कथित रूप से जुड़े एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी के छत्तीसगढ़ स्थित परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौरव मेहता के घर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा था।

राज कुंद्रा ने खनन फार्म स्थापित करने के लिए बिटकॉइन प्राप्त किए

एजेंसी ने कहा कि राज कुंद्रा ने यूक्रेन में बिटकॉइन खनन फार्म स्थापित करने के लिए गेन बिटकॉइन पोंजी घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता और प्रवर्तक अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन प्राप्त किए थे। ईडी ने कहा कि ये बिटकॉइन अमित भारद्वाज द्वारा भोले-भाले निवेशकों से एकत्रित अपराध की आय से प्राप्त किए गए थे। एजेंसी ने पिछले साल इस मामले में तीन लोगों सिम्पी भारद्वाज, नितिन गौड़ और निखिल महाजन को गिरफ्तार किया था।

नाना पटोले ने आरोपों को किया खारिज किया

इधर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी भाजपा के आरोपों को खारिज किया और कहा कि "प्रसारित की जा रही क्लिप में मेरी आवाज नहीं है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मेरी आवाज पहचानते हैं।" क्रिप्टो-पोंजी मामले में ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस द्वारा वैरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से संबंधित है। दिवंगत अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज और महेंद्र भारद्वाज नाम के व्यक्ति और कई "मल्टी-लेवल मार्केटिंग एजेंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। आरोप है कि आरोपियों ने बिटकॉइन के रूप में जनता से 2017 में लगभग 6,600 करोड़ रुपए एकत्रित किए, जिसमें बिटकॉइन के रूप में हर महीने 10 प्रतिशत लाभ का झूठा वादा किया गया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि बिटकॉइन का इस्तेमाल माइनिंग के लिए किया जाना था और निवेशकों को क्रिप्टो करेंसी में भारी मुनाफा मिलना था, लेकिन प्रमोटरों ने निवेशकों को धोखा दिया और गलत तरीके से प्राप्त बिटकॉइन को अस्पष्ट ऑनलाइन वॉलेट में छिपा दिया।

ईडी ने फरार आरोपियों की संपत्ति कुर्क की

ईडी ने कहा कि मुख्य आरोपी अजय भारद्वाज और महेंद्र भारद्वाज फरार हैं। इसने कहा कि वह पहले भी इस मामले में 69 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। इस मामले में अब तक दो आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। इनमें पहला आरोपपत्र जून 2019 में और दूसरा इस साल फरवरी में दाखिल किया गया था।

भाजपा ने ऑडियो क्लिप साझा की

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कुछ ऑडियो क्लिप साझा की, जिनमें सुले और पटोले की कथित आवाज और सिग्नल चैट कथित तौर पर चुनाव प्रचार अभियान के वित्तपोषण के लिए बिटकॉइन के इस्तेमाल का संकेत देती है। त्रिवेदी ने कहा कि महा विकास अघाड़ी को चुनाव में उसकी हार स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन्होंने झूठे आरोपों के खिलाफ निर्वाचन आयोग तथा राज्य के साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज कराई है। सुप्रिया सुले ने आरोपों को जवाब देते हुए बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि वह गौरव मेहता को नहीं जानतीं।

प्रत्याशी को वोटिंग के दौरान लगा सदमा, हार्ट अटैक से मौत

डीबीडी संवाददाता । बीड

बीड विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवार बालासाहेब शिंदे की मतदान केंद्र पर ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वे छत्रपति शाहू विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर ठहरे हुए थे। इसी बीच उन्हें चक्कर आ गया और वह गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि जब बालासाहेब शिंदे मतदान केंद्र पर थे, तब उन्हें अचानक सीने में दर्द और बेचैनी महसूस हुई। समर्थकों ने उन्हें पानी दिया और भीड़ से दूर खुली जगह पर ले जाने की कोशिश की। लेकिन चलते-चलते उन्हें चक्कर आ गया और वो गिर पड़े। इसके बाद उन्हें तुरंत काकू नाना अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें छत्रपति संभाजीनगर अस्पताल भेज दिया गया। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सातारा में मतदाता की मौत

सतारा के खंडाला तहसील के मोरवे में नानासाहेब धायगुडे (उम्र 67 वर्ष) अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्र पर आए, जबकि खंडाला के प्राथमिक विद्यालय में प्रशासन द्वारा चुनाव कक्ष में मतदान चल रहा था। पहचान पत्र सत्यापन के बाद वह ईवीएम कक्ष में गए और वोटिंग बटन दबाया। हालांकि, उसी समय उन्हें गंभीर दिल का दौरा पड़ा और वे मौके पर ही गिर पड़े। मतदान केंद्र पर मौजूद कर्मचारी उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां इलाज शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके आकस्मिक निधन से मतदान केंद्र पर हड़कंप मच गया। धायगुड़े मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। लेकिन कुछ साल पहले वह अपने पैतृक गांव मोरवे चले गए।

शिंदे के निधन से समर्थकों में शोक

बालासाहेब शिंदे बीड विधानसभा में प्रभावशाली नेता माने जाते थे। उनके निधन से उनके समर्थक, परिवार के सदस्य और बीड जिले के नागरिक शोक में डूब गए हैं। मतदान के दौरान उनकी मौत से पूरे जिले में शोक व्यक्त किया जा रहा है। शुरुआती जांच के मुताबिक पुलिस ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, रिपोर्ट आने के बाद आधिकारिक जानकारी सामने आएगी। इस घटना से मतदान केंद्र पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। चुनाव आयोग ने इस घटना पर संज्ञान लिया है और कहा है कि बीड विधानसभा चुनाव को लेकर अगला फैसला जल्द ही लिया जाएगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 52 के अनुसार, यदि चुनाव के दौरान किसी उम्मीदवार की मृत्यु हो जाती है, तो संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में मतदान स्थगित किया जा सकता है। बालासाहेब शिंदे के निधन से बीड शहर और जिले में दुख का माहौल है। शिंदे के निधन से चुनाव प्रक्रिया बाधित हो गई है और सभी की निगाहें चुनाव की आगे की प्रक्रिया पर टिकी हैं।

'मानहानि का मुकदमा करूंगी'

अजित पवार के दावे पर सुप्रिया सुले का जवाब

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ घंटों पहले पूर्व आईपीएस अधिकारी रवींद्र नाथ पाटिल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में शामिल हैं। उन्होंने दोनों नेताओं पर चुनाव प्रचार के लिए बिटकॉइन हेरफेर का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी डीलिंग से प्राप्त नकदी का उपयोग महाराष्ट्र में वर्तमान चुनाव अभियान में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान भी इसी तरह की हेराफेरी की गई। उनके इस खुलासे के बाद राजनीति गरमा गई है। सुप्रिया सुले ने बीजेपी पर निशाना साधा। वहीं उनके भाई अजित पवार ने भी इशारों में अपनी बहन के खिलाफ जांच करवाने की बात कही।

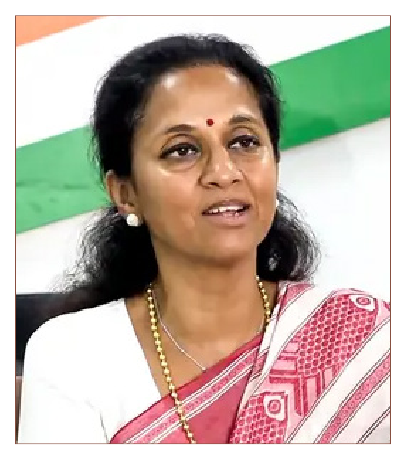

पूर्व आईपीएस रवींद्र नाथ के आरोप

रवींद्र नाथ ने कहा कि उनके सहयोगियों ने तथ्यों तक पहुंचने के लिए काम करना जारी रखा। आखिरकार, उन्हें चौंकाने वाले तथ्य मिले। मामले में एक प्रमुख गवाह, एक ऑडिट फर्म के कर्मचारी गौरव मेहता ने पिछले कुछ दिनों में उनसे कई बार संपर्क किया था। जब पाटिल ने जवाब दिया, तो मेहता ने 2018 की क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी जांच के बारे में जानकारी साझा की। मेहता ने आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी व्यापारी अमित भारद्वाज की गिरफ्तारी के दौरान, बिटकॉइन युक्त एक हार्डवेयर वॉलेट जब्त किया गया था। पाटिल ने बताया कि मेहता ने सोशल मीडिया ऐप 'सिग्नल' पर कई वॉयस रिकॉर्डिंग भेजीं, इनमें सुप्रिया सुले के संदेश भी शामिल थे, जिसमें बिटकॉइन के बदले नकदी मांगी गई थी। ऑडियो रिकॉर्डिंग में सुले ने कथित तौर पर मेहता को आश्वासन दिया कि जांच के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वे सत्ता में आने के बाद इसे संभाल लेंगे। एक अन्य रिकॉर्डिंग में कथित तौर पर नाना पटोले को नकदी लेनदेन में देरी के बारे में पूछताछ करते हुए सुना गया।

अजित पवार का सुप्रिया सुले पर निशाना

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बिटकॉइन मामले में सुप्रिया सुले के वायरल ऑडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह उनकी बहन की आवाज़ थी क्योंकि वह उनकी आवाज से ही समझ गए थे। उन्होंने कहा कि सुप्रिया सुले उनकी बहन हैं, नाना पटोले के साथ उन्होंने काफी समय तक काम किया है। ऐसे में उनकी बात करने की स्टाइल और टोन से वह समझ गए कि उन दोनों की ही आवाज है। वहीं सुले ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि वह अजित पवार हैं, वह कुछ भी कह सकते हैं। अजित पवार ने कहा, 'जो भी ऑडियो क्लिप दिखाई जा रही है, मैं बस इतना जानता हूं कि मैंने उन दोनों के साथ काम किया है। उनमें से एक मेरी बहन है और दूसरी वह है जिसके साथ मैंने बहुत काम किया है। ऑडियो क्लिप में उनकी आवाज़ है, मैं उनके स्वर से समझ सकता हूं। जांच की जाएगी और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।'

सुप्रिया सुले ने सुधांशु त्रिवेदी को भेजा मानहानि का नोटिस

सुप्रिया सुले ने बुधवार को अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। सुले ने कहा, "मैंने मानहानि का मामला और आपराधिक मामला दर्ज किया है। मैं उनके (सुधांशु त्रिवेदी) 5 सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं, जहां भी वह चाहें। उनकी पसंद का समय, उनकी पसंद का स्थान और उनकी पसंद का मंच। मैं उनका जवाब देने के लिए तैयार हूं क्योंकि सभी आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। सब झूठ है।"

'मैं मूर्ख नहीं हूं कि विरोधियों के होटल में पैसे बांटूंगा'

भाजपा नेता विनोद तावड़े ने दी सफाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे बांटने का आरोप लगा है। हालांकि भाजपा नेता ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें नियमों का अच्छी तरह से पता है और वे बेवकूफ नहीं है कि राजनीतिक विरोधी के होटल में ऐसा काम करेंगे। महाराष्ट्र चुनाव के लिए मतदान से कुछ घंटे पहले ही मंगलवार को बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने विनोद तावड़े पर विरार के होटल में पांच करोड़ रुपये बांटने का आरोप लगाया था।

तावड़े के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

वहीं इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है और विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने इस मामले में चुनाव आयोग से विस्तृत जांच की मांग की है। इस पर विनोद तावड़े ने राष्ट्रीय नेताओं के इस मामले में टिप्पणी करने पर हैरानी जताई। तावड़े ने कहा कि 'उनके पास कोई पैसा बरामद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी और सुप्रिया सुले ने पांच करोड़ रुपये देखे हों तो कृप्या मेरे पास भेज दें, उन्हें मैं अपने बैंक खाते में जमा करा लूंगा।' पुलिस ने इस मामले में तावड़े और भाजपा उम्मीदवार राजन नाईक के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की हैं। घटना के बाद विनोद तावड़े ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी चाही थी, जिसे चुनाव आयोग ने रोक दिया था। इस मामले में भी तावड़े के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने इस मामले पर कहा कि ऐसा कोई तथ्य नहीं मिला है, जिससे पता चले कि विनोद तावड़े ने पैसे बांटे।

विनोद तावड़े बोले- मैं सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने गया था

हितेंद्र ठाकुर के आरोपों के बाद एक चुनाव अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि होटल के कमरों से 9.93 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। हालांकि विनोद तावड़े ने पैसे बांटने के आरोपों से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह सिर्फ चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देने होटल पहुंचे थे। तावड़े ने कहा कि 'द विवांता होटल (पालघर के विरार में स्थित) के मालिक ठाकुर हैं और मैं बेवकूफ नहीं हूं जो उनके होटल में जाकर पैसे बांटूंगा।' भाजपा नेता ने कहा कि 'वह बीते 40 वर्षों से राजनीति में हैं और चुनाव को लेकर नियमों और दिशा-निर्देशों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मैं सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करने गया था, मैं कोई प्रचार नहीं कर रहा था।'

संजय निरुपम ने मतदान केंद्र पर किया जमकर हंगामा

उद्धव ठाकरे गुट पर लगाया हमला करने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान पिंपरीपाड़ा में भी हंगामा हुआ है। डिंडोशी विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के उम्मीदवार संजय निरुपम ने आरोप लगाया है कि इस इलाके की कुछ मुस्लिम महिलाएं उन्हें वोट देना चाहती थीं, लेकिन इलाके के पुरूषों ने महिलाओं को वोट देने नहीं दे रहे थे। इसके बाद शिवसेना के उम्मीदवार संजय निरुपम इलाके में पहुंचे और जमकर हंगामा किया। संजय निरुपम ने वहां कई दुकानों को बंद करा दिया। मुंबई के दिंडोशी से शिवसेना उम्मीदवार संजय निरुपम ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता पर प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने हमला किया।

क्या बोले संजय निरुपम ?

संजय निरुपम ने कहा कि "शिवसेना (यूबीटी) के सैकड़ों मुस्लिम कार्यकर्ता मतदाताओं को प्रभावित करने और बाधा डालने की कोशिश कर रहे थे। बाद में उन्होंने शिवसेना कार्यकर्ता हमला किया और मतदाताओं को डराने की भी कोशिश की।" निरुपम ने कहा कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करायी है। दिंडोशी सीट पर निरुपम का मुकाबला शिवसेना के सुनील प्रभु से है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आचार संहिता तोड़ने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की वोटिंग के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आचार संहिता तोड़ने का आरोप लगा है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिंदे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के चांदीवली से कैंडिडेट नसीम खान की तरफ से एक शिकायत आयोग को दी गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि सीएम शिंदे ने शिवसेना के उम्मीदवार दिलीप लांडे के पक्ष में वोट करने की अपील की है। एमवीए के उम्मीदवार नसीम खान के मुख्य मतदान एजेंट गणेश चव्हाण ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि मुख्यमंत्री शिंदे की यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और साकीनाका पुलिस स्टेशन को मुख्यमंत्री शिंदे और दिलीप के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। लांडे भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 171 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 के तहत है।

कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 20 नवंबर, 2024 को दोपहर लगभग 3 बजे काजुपाड़ा घास कंपाउंड से सेंट जूड हाई स्कूल क्षेत्र तक एक रोड शो किया, जब चांदीवली निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना उम्मीदवार दिलीप लांडे के लिए मतदान चल रहा था और उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार से वोट करने की अपील की। रोड शो क्षेत्र में कई मतदान केंद्र हैं। यह आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है और यह अनधिकृत उपस्थिति गंभीर चिंता का विषय है और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में बाधा डालती है।

बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने किया मतदान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी भूषण गगरानी और मुंबई में जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र शंकर क्षीरसागर ने मुंबई इलाके के एक मतदान केंद्र में अपना वोट डाला है। वोट डालने के बाद भूषण गगरानी ने मतदान केंद्र के बाहर मीडियाकर्मियों को अपनी स्याही लगी उंगली दिखाई। इस बीच मुंबई में जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र शंकर क्षीरसागर ने आज मुंबई के एक मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। राजेंद्र शंकर क्षीरसागर ने वोट डालने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, "मैंने आज अपना वोट डाला। मैं सभी से वोट डालने की अपील करता हूं।"

पश्चिम रेलवे

व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013, आमंत्रित करता है **निविदा सूचना संख्या: ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2024-25/39 दिनांक 16/11/2024; कार्य का नाम:** लोअर परेल वर्कशॉप में 22 आईपी निगरानी सीसीटीवी सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग तथा मौजूदा आईपी आधारित सीसीटीवी सिस्टम के लिए तीन साल के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध. **कार्य की अनुमानित लागत: 13,32,472.00/-; ईएमडी:** 26,700.00/-; **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 17.12.2024, 12.00 बजे तक; निविदा खुलने की तिथि: 17.12.2024 को 12.30 बजे; **अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं.** 0749

लाइक करें: facebook.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

मणिपुर के रिसते जख्म

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है। विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर-खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था। लेकिन यह गंभीर बात है कि पिछले डेढ़ वर्ष में राज्य के भीतर अवैध प्रवास, जमीन, जंगल, हथियारों की तस्करी व नशे के कारोबार में खासी तेजी आयी है। यहां तक कि म्यांमार से अवैध घुसपैठ की घटनाएं भी सामने आई हैं। निस्संदेह, इस संकट के तमाम आयाम हैं, जिसकी संवेदनशीलता को देखते हुए इस मसले के शीघ्र समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। संकट इस बात का भी है कि यह संघर्ष पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी फैल सकता है। हाल के वर्षों में म्यांमार व बांग्लादेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के चलते पृथकतावादियों को शह मिल सकती है, जो कालांतर भारत में कानून व्यवस्था के लिये संकट पैदा कर सकते हैं। यदि हम पूर्वोत्तर के इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि पूर्वोत्तर में सामुदायिक संरचना बेहद जटिल और संवेदनशील रही है। इससे हिंसा का सिलसिला लंबा खिंच सकता है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार की कोशिश हो कि संकट का राजनीतिक व सामाजिक समाधान निकाला जाए ताकि समुदायों में सामंजस्य से हिंसा को टाला जा सके।

आव्रजन प्रतिबंधों से युवाओं के सपनों पर भी लगेगा ग्रहण

सुच्चा सिंह गिल

वर्ष 1990 के दशक के मध्य से भारत से विभिन्न देशों में जाकर काम करने वालों का प्रवासन बढ़ता चला गया, जिससे विदेशों में आप्रवासी भारतीयों की संख्या दुनियाभर में सबसे बड़ी बन गई। परिणामस्वरूप, भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा में भी वृद्धि हुई और सर्वाधिक विदेशी धन प्राप्तकर्ताओं में से एक है। कनाडा की आव्रजन नीतियों में हुए हालिया बदलाव और संभवतः अमेरिका भी करेगा, का असर विशेष रूप से देश के उन राज्यों पर पड़ने की संभावना है, जहां से बड़ी संख्या में लोग वहां गए हुए हैं। इन सूबों में केरल, गुजरात, पंजाब और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। भारत के उल्लेखनीय आर्थिक प्रदर्शन में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (1991) की भूमिका का जिक्र कई अर्थशास्त्रियों और वैश्विक संस्थानों द्वारा किया गया है। इस प्रयास में, आर्थिक नीति में परिवर्तनों के साथ जी-7 राष्ट्रों के साथ भारत के संबंधों का पुनर्गठन भी हुआ, जी-20 में भारत की भागीदारी से इसमें और विस्तार हुआ। इसने भारत को भारी मात्रा में विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने के अलावा घरेलू बचत की उच्च दर एवं निवेश पाने में मदद की। पिछले साल दिल्ली में जी-20 की बैठक में चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' परियोजना के विकल्प के रूप में मध्य-पूर्व देशों से होकर यूरोप तक रेल संपर्क बनाने का निर्णय लिया गया। बड़ी संख्या में शिक्षित भारतीय कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को भी विदेशों में नौकरियां मिली हुई हैं। इसके चलते विदेशों में आप्रवासी भारतीयों क तादाद बढ़ती चली गयी, हाल के वर्षों में, दुनियाभर के आप्रवासी कामगारों द्वारा अपने घर भेजे जाने वाले पैसे के मामले में भारतीयों का योगदान सबसे ऊपर और बड़ा है। यह आर्थिक नीति और देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में संतुलन के कारण हुआ है। भारतीय आप्रवासियों की संख्या वर्ष 2000 में 79 लाख से बढ़कर 2023 में 1.89 करोड़ हो गई। वे अपने घर जो कमाई भेजते हैं, उससे परिवार की क्रय शक्ति बढ़ती है, साथ ही आवास और कारोबार में निवेश भी। भारत की विदेशी मुद्रा आय में उनका योगदान उल्लेखनीय है। भारतीय आप्रवासियों की सबसे बड़ी गिनती अमेरिका में (44.60 लाख) है। अमेरिका के चार करीबी सहयोगी मुल्कों में यह गिनती- ऑस्ट्रेलिया (4.96 लाख), कनाडा (16.89 लाख), न्यूजीलैंड (2.40 लाख) और यूके (17.64 लाख) है जिससे इन सबमें कुल संख्या 86.49 लाख बनती है। यदि यूरोप गए आप्रवासियों को भी इसमें जोड़ दिया जाए तो यह गिनती 1.89 करोड़ हो जाती है। मध्य पूर्व के मुल्क एक और क्षेत्र हैं, जहां भारतीयों की उपस्थिति बहुत ज्यादा है। यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत और कतर में 85.77 लाख भारतीय आप्रवासी हैं। इन दोनों क्षेत्रों की आव्रजन नीति में एक बड़ा अंतर है। जहां पश्चिमी देश आप्रवासियों को स्थायी रूप से बसने और उन्हें नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देते हैं वहीं खाड़ी देशों में यह इजाज़त नहीं है। लिहाजा आव्रजन के लिए पश्चिमी मुल्क पसंदीदा गंतव्य बन गए। 2023 में भारत को प्राप्त विदेशी मुद्रा प्रेषण में अमेरिका और उसके चार करीबी सहयोगियों का हिस्सा 35 प्रतिशत से अधिक रहा। प्राप्त कुल 120 बिलियन डॉलर में अकेले अमेरिका का योगदान 23 प्रतिशत रहा, उसके बाद यूके (6.8 प्रतिशत), कनाडा (2.4 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (1.9 प्रतिशत) और न्यूजीलैंड (एक प्रतिशत से भी कम) का हिस्सा रहा। यूरोप समेत पश्चिमी राष्ट्रों, का संयुक्त योगदान खाड़ी देशों से कुछ अधिक है, जिनकी कुल विदेशी मुद्रा आमद में हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है। इस प्रकार इन दोनों क्षेत्रों का संयुक्त योगदान 85 प्रतिशत से अधिक है। जिससे भारत को अपने भारी विदेशी व्यापार घाटे को पूरा करने में बड़े पैमाने पर मदद मिलती है। धन प्रेषण के राज्यवार आंकड़ों से पता चलता है कि सूची में केरल सबसे ऊपर है, उसके बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु आते हैं। विभिन्न देशों में बड़ी संख्या में पंजाबी आप्रवासियों के बावजूद, पंजाब अभी भी इन सूबों से पीछे है। यह इसलिए कि अधिकांश पंजाबी आप्रवासी यूके, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में केंद्रित हैं, जहां वे स्थायी रूप से बस गए हैं, लिहाजा समय के साथ उनके द्वारा घर भेजे जाने वाले धन का प्रवाह कम होता चला गया। चूंकि केरल के आप्रवासी ज्यादातर यूएई और अन्य अरब देशों में रहते हैं, जहां वे स्थायी रूप से नहीं बस सकते। जिसकी वजह से उनके द्वारा भेजा पैसा सबसे अधिक है। अन्य देशों को आव्रजन भारत के शिक्षित और कुशल कर्मचारियों के बीच बेरोजगारी का बोझ कम करने में सहायक रहा है। भारत के आप्रवासी न केवल विदेशी मुद्रा आय का बहुत बड़ा स्रोत हैं, बल्कि विदेशों में भारतीय संस्कृति और सद्भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वे विदेशों में परंपरागत वस्तुओं की मांग भी पैदा करते हैं। साल 1991 में उदारीकरण की नीति अपनाने के बाद, भारत अपनी घरेलू जरूरतों, अतिरिक्त उत्पाद एवं सेवाओं को विदेशों में निर्यात करने के अलावा अपने प्रशिक्षित कर्मचारियों के लिए रोजगार के मामले में भी विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर ज्यादा निर्भर होता चला गया। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की आव्रजन नीतियों में बदलाव इसे गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। कनाडा की आव्रजन नीति में हाल ही में कई बदलाव हुए हैं जैसे मल्टीपल-एंट्री विजिटर वीजा खत्म करना।

जीवन मंत्र

दीपक चोपड़ा

अपने साथ आपका सुलूक

रिश्तों के दर्पण होने का मतलब है कि हम दूसरे व्यक्ति के शब्दों या व्यवहार की प्रतिक्रिया में कैसा महसूस करते हैं? ये दरअसल हमारे आत्मविश्वास और उन दृष्टिकोणों का दर्पण है, जो हम अपने बारे में रखते हैं।

पिछले दिनों एक पत्र मिला, जिसमें पूछा गया था, आप कहते हैं कि रिश्ते इस बात का दर्पण हैं कि हम अपने साथ कैसा सुलूक करते हैं, जबकि ज्ञान परंपराएं कहती हैं, हम इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं हैं कि दूसरे लोग हमारे साथ कैसा व्यवहार करते हैं; हम केवल अपने व्यवहार के जिम्मेदार हैं। ये दोनों संदर्भ अपने आप में विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। अब जब मैं देखता हूं कि कई लोग मेरे साथ एक खास तरीके का सुलूक कर रहे हैं, जो निश्चित तौर पर अनुचित व्यवहार है, तो मुझे यह कैसे पता चलेगा कि यह मेरे ही अंतर को

प्रतिबिंबित कर रहा है या फिर इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं?

रिश्तों के दर्पण होने का मतलब है कि हम दूसरे व्यक्ति के शब्दों या व्यवहार की प्रतिक्रिया में कैसा महसूस करते हैं? ये दरअसल हमारे आत्मविश्वास और उन दृष्टिकोणों का दर्पण है, जो हम अपने बारे में रखते हैं। यह दूसरों के प्रति हमारी सभी प्रतिक्रियाओं पर लागू नहीं होता। यह बस उन प्रतिक्रियाओं से संबंधित है, जो हमारी तटस्थ प्रतिक्रिया की तुलना में असंगत या अतिरंजित हैं।

यह कहना कि केवल अपने कार्यों पर नियंत्रण या उसकी जिम्मेदारी हमारी है, किसी और की नहीं, रिश्तों के दर्पण के लिए एक स्वाभाविक परिमापक बिंदु है। यह ठीक है कि हम दूसरों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम उनके बर्ताव की अपनी व्याख्या को तो नियंत्रित कर सकते हैं, और इस तरह हम अपने मन की शांति और भलाई पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति यदि अविवेकपूर्ण या स्वार्थपूर्ण कार्य करता है, और आप इससे काफी आहत हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि यह आपके अतीत की इस धारणा को प्रतिबिंबित करता है, जो कहता है कि 'मेरे साथ अनुचित चीजें होती हैं, क्योंकि यह एक मतलबी दुनिया है और मुझे इससे नफरत है।' यहीं पर आपको गौर करने की जरूरत है।

यह एहसास कि आप उस व्यक्ति के कार्यों, उसके आचरण को तो नहीं बदल सकते, मगर उसके कार्यों, आचरणों की अपनी व्याख्या को बदल सकते हैं, बहुत फर्क डाल देगा। आप अपने दैनिक जीवन में इस सूत्र को आजमाकर देख लीजिए।

जब आप अन्याय का शिकार होने संबंधी अपनी अनुकूलित (कंडीशंड) मान्यताओं को साफ करते हैं, और व्यक्ति विशेष के व्यवहार को सीमित, स्वार्थी दृष्टिकोण से प्रेरित देखते हैं, जो यह सोचता है कि वह जो चाहता है, उसे सिर्फ दूसरों की कीमत पर प्राप्त कर सकता है, तो आपको लगेगा यह न उचित है, न ही अनुचित है। जब आप जानते हैं कि आपके अंदर उसके व्यवहार से प्रतिबिंबित होने को कुछ भी नहीं, तब आप बिना परेशानी के आगे बढ़ सकते हैं।

जीवन ऊर्जा

फ्रेडरिक श्लेयरमाखरः जन्म 21 नवंबर 1768

जन्म

ईश्वर ज्ञान की वस्तु नहीं बल्कि भावना की वस्तु है

फ्रेडरिक श्लेयरमाखर एक प्रसिद्ध जर्मन धर्मशास्त्री, दार्शनिक और आधुनिक धर्मशास्त्र के जनक थे, जिनका जन्म 21 नवंबर 1768 को हुआ और निधन 12 फरवरी 1834 को हुआ। उन्होंने धर्म को भावनाओं और आत्मा की गहराई से जोड़ा। उनके विचारों ने धर्म और नैतिकता के आधुनिक दृष्टिकोण को प्रभावित किया।

धर्म न तो मृत्यु के भय का परिणाम है और न ही जीवन के भय का। धर्म का सार पूर्ण निर्भरता की भावना है। सच्ची धर्मनिष्ठता ईश्वर पर हमारी पूर्ण निर्भरता के प्रति सचेत होने में निहित है। प्रत्येक मनुष्य अनंत के साथ अपने रिश्ते में अद्वितीय है। आस्था सिद्धांतों का समूह नहीं है, बल्कि ब्रह्मांड के साथ एकता की जीवंत भावना है। ईश्वर ज्ञान की वस्तु नहीं बल्कि भावना की वस्तु है। जीवन का उद्देश्य सीमित साधनों के माध्यम से अनंत से गहराई से जुड़ना है। धर्म में, हम शाश्वत में भाग लेने के लिए व्यक्तित्व से परे जाते हैं। प्रार्थना अनंत के साथ आत्मा की बातचीत है। जीवन की सर्वोच्च एकता व्यक्तित्व और सार्वभौमिकता के सामंजस्य में पाई जाती है। ईश्वर दूर नहीं है, बल्कि दुनिया में और हमारे भीतर अंतरंग रूप से मौजूद है। स्वतंत्रता ईश्वरीय व्यवस्था

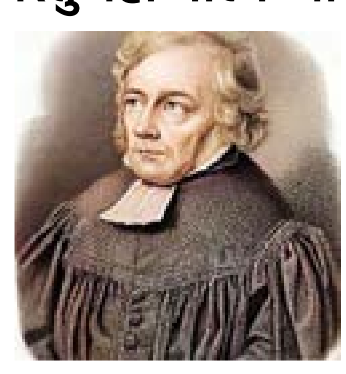

के साथ अपनी इच्छा को संरेखित करने की क्षमता है। नैतिकता और धर्म अविभाज्य रूप से जुड़े हुए हैं, क्योंकि आस्था हमारे नैतिक कार्यों का मार्गदर्शन करती है। ईश्वर को समझना खुद को समग्र के एक हिस्से के रूप में समझना है। कला और धर्म सीमित को अनंत के साथ जोड़ने के उद्देश्य को साझा करते हैं। मानवता समय और व्यक्तित्व के माध्यम से व्यक्त एक दिव्य विचार है। आध्यात्मिक यात्रा ज्ञान के बारे में नहीं बल्कि बनने के बारे में है। अस्तित्व का प्रत्येक क्षण शाश्वत का रहस्योद्घाटन है। दिव्य को पूरी तरह से समझा नहीं जा सकता है लेकिन उसे अंतरंग रूप से महसूस किया जा सकता है। धार्मिक जीवन हठधर्मिता से नहीं, बल्कि अनंत की जीवंत भावना से बढ़ता है। धर्मों की विविधता दिव्य आत्मा की समृद्धि को दर्शाती है। जीवन का उद्देश्य हमारे भीतर और हमारे आस-पास के दिव्य के प्रति अधिक सचेत होना है। विनम्रता हमारे व्यक्तित्व को कम किए बिना उच्च शक्ति पर हमारी निर्भरता को पहचानना है। सीमित दुनिया अनंत प्रेम और ज्ञान की अभिव्यक्ति है। सच्चा आनंद तब पैदा होता है जब हम अपने अस्तित्व को दिव्य उद्देश्य के साथ जोड़ते हैं।

सक्सेस मंत्र

अनुकूल वक्त का इंतजार नहीं, कुछ करने में भलाई

किसी छोटे बच्चे से पूछो कि वह क्या बनना चाहता है, तो कोई टीचर बनना चाहता है, कोई डॉक्टर, तो अपने मां या पापा की तरह बनना चाहता है। कुछ दिनों के बाद उनके उद्देश्य और जवाब बदल जाते हैं। मगर बड़े होने के बाद भी अगर इसी तरह लक्ष्य बदलना अच्छी बात नहीं। कई बार लोग सफलता न मिलने से निराश होकर अपना रास्ता बदल देते हैं, तो कुछ अच्छे वक्त आने का बहाना करते रहते हैं। लेकिन अच्छा तो यही होगा कि आज ही आप आगे बढ़ने का कदम बढ़ाएं। एक बार की बात है, एक निःसंतान राजा था, वह बूढा हो चुका था और उसे राज्य के लिए एक योग्य उत्तराधिकारी की चिंता सताने लगी थी। योग्य उत्तराधिकारी के खोज के लिए राजा ने पुरे राज्य में ढिंढोरा पिटवाया कि अमुक दिन शाम को जो मुझसे मिलने आएगा, उसे मैं अपने राज्य का एक हिस्सा दूंगा।

राजा के इस निर्णय से राज्य के प्रधानमंत्री ने रोष जताते हुए राजा से कहा, महाराज, आपसे मिलने तो बहुत से लोग आएंगे और यदि सभी को उनका भाग देंगे तो राज्य के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। ऐसा अव्यावहारिक काम न करें। राजा ने प्रधानमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी, आप चिंता न करें, देखते रहें, क्या होता है। निश्चित दिन जब सबको मिलना था, राजमहल के बगीचे में राजा ने एक विशाल मेले का आयोजन किया। मेले में नाच-गाने और शराब की महफिल जमी थी, खाने के लिए अनेक स्वादिष्ट पदार्थ थे। मेले में कई खेल भी हो रहे थे।

राजा से मिलने आने वाले कितने ही लोग नाच-गाने में अटक गए, कितने ही सुरा-सुंदरी में, कितने ही आश्चर्यजनक खेलों में मशगूल हो गए तथा कितने ही खाने-पीने, घूमने-फिरने के आनंद में डूब गए। इस तरह समय बीतने लगा। इन सभी के बीच एक व्यक्ति ऐसा भी था जिसने किसी चीज की तरफ देखा भी नहीं। उसके मन में निश्चित ध्येय था कि उसे राजा से मिलना ही है। इसलिए वह बगीचा पार करके राजमहल के दरवाजे पर पहुंच गया। पर वहां खुली तलवार लेकर दो चौकीदार खड़े थे। उन्होंने उसे रोका। उन्हें अनदेखा करके और चौकीदारों को धक्का मारकर वह दौड़कर राजमहल में चला गया, क्योंकि वह निश्चित समय पर राजा से मिलना चाहता था। जैसे ही वह अंदर पहुंचा, राजा उसे सामने ही मिल गए और उन्होंने कहा, मेरे राज्य में कोई व्यक्ति तो ऐसा मिला जो किसी प्रलोभन में फंसे बिना अपने ध्येय तक पहुंच सका। तुम्हें मैं आधा नहीं पूरा राजपाट दूंगा। तुम मेरे उत्तराधिकारी बनोगे।

शख्सियत

हरेकृष्ण महताब

ओडिशा के निर्माता

हरेकृष्ण महताब, जिन्हें उत्कल केसरी के नाम से भी जाना जाता है, ओडिशा के स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और राजनेता थे। उनका जन्म 21 नवंबर 1899 को ओडिशा के भद्रक जिले में हुआ। उनके पिता कृषक थे, और उनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण परिवेश में हुई। देशभक्ति और सेवा का भाव बचपन से ही उनके मन में था।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महताब ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया। वे 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़े और स्वतंत्रता के लिए अपने प्रयासों को तेज किया। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वे 3 साल तक जेल में रहे। स्वतंत्रता के बाद हरेकृष्ण महताब ओडिशा के पहले मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 1946 से 1950 और फिर 1956 से 1961 तक ओडिशा का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में ओडिशा ने तेजी से विकास किया और आधुनिक राज्य बनने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्होंने राज्य की आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक प्रगति के लिए कई योजनाएं लागू कीं। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में हीराकुंड बांध परियोजना, औद्योगिक विकास और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार शामिल हैं। रेकृष्ण महताब न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने ₹नवभारत₹ नामक समाचार पत्र की स्थापना की और कई लेख लिखे। उनके साहित्यिक योगदान में ₹गांधीजी का जीवन चरित्र₹ और ₹सत्य और सेवा₹ जैसे प्रमुख ग्रंथ शामिल हैं। महताब का जीवन सादगी, ईमानदारी और सेवा का प्रतीक था। 2 जनवरी 1987 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। ओडिशा के विकास में उनकी भूमिका के कारण उन्हें ₹ओडिशा के निर्माता₹ के रूप में सम्मानित किया जाता है। उनके विचार और कार्य आज भी लाखों लोगों को प्रेरणा देते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भगवान विष्णु का सबसे बड़ा भक्त

नारद जी बात-बात पर नारायण-नारायण कहा करते और इस प्रकार दिन में कई बार भगवान का नाम लेते थे। एक दिन उनके मन में यह विचार आया कि वह बहुत बार भगवान का नाम लेते हैं। अतः वही भगवान के सबसे बड़े भक्त हैं।

यह सोचकर नारद जी विष्णु भगवान के पास पहुंचे और पूछा, भगवान ! आपका सबसे बड़ा भक्त कौन है

विष्णु भगवान ने बताया, 'अमुक गांव का अमुक किसान मेरा सबसे बड़ा भक्त है।

नारद जी को बहुत धक्का लगा। उन्होंने भगवान जी के कथन की पुष्टि के लिए, अपने को संभालते हुए, भक्त किसान का नाम व पता नोट किया तथा उस किसान के गांव चल दिए। वहां जाकर देखा कि किसान ने सुबह 4 बजे उठकर दो बार नारायण-नारायण कहा। फिर नांद में भूसा, खली व पानी डालकर बैलों को लगा दिया। दैनिक क्रिया के बाद, सुबह का जलपान कर सूर्योदय के साथ ही हल-बैल लेकर खेतों में

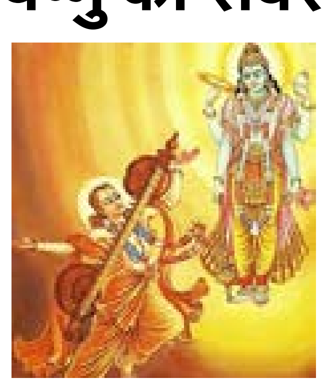

जा पहुंचा। पूर्वाह्न 10 बजे पत्नी द्वारा लाया कलेवा खाकर पुनः खेत में काम करने लगा। दोपहर में घर जाकर खाना खाया, सुर्ती खाया। बैलों को नांद पर लगाया। अपराह्न में खेतों में जाकर काम किया। ठीक, सूर्यास्त के पहले घर लौटा। हाथ मुंह धोकर खाना खाया। दो बार नारायण-नारायण कहकर सो गया। नारद जी को बड़ा आश्चर्य हुआ कि किसान द्वारा पूरे दिन में केवल चार बार नारायण-नारायण कहा गया, जबकि वे स्वयं दिनभर नारायण-नारायण कहते हैं, किन्तु उन्हें भगवान विष्णु अपना सबसे बड़ा भक्त नहीं मानते हैं। नारद जी ने अपनी आशंका व व्यथा विष्णु भगवान को बताई। तब विष्णु भगवान ने नारद को एक पूरा जल भरा कटोरा दिया और कहा, 'इसको लेकर आप सूर्यास्त तक भ्रमण कीजिए, लेकिन ध्यान रहे, इसमें से एक बूंद पानी भी न गिरे। यदि ऐसा होता है, तो मेरा सुदर्शन चक्र आपके पीछे रहेगा, एक बूंद भी पानी गिरा

तो वह आपकी गर्दन काट लेगा।' नारद जी ने जल भरा कटोरा लिया और सुबह से शाम तक भ्रमण किया। सुदर्शन चक्र ने पीछा किया। सूर्यास्त हुआ तो उन्होंने राहत की सांस ली। कटोरे से एक बूंद पानी नहीं गिरा। उन्होंने राहत की सांस ली।

नारद जी विष्णु भगवान के पास पहुंचे।

विष्णु जी ने पूछा, 'भ्रमण कैसा रहा?'

नारद जी ने उत्तर दिया, 'आपके सुदर्शन चक्र व भरे पानी के कारण भ्रमण में तनाव बना रहा।

विष्णु जी ने पूछा, 'भ्रमण में कितनी बार मेरा नाम लिया?'

भगवान ! एक तो जल भरा कटोरा लेकर चलना और उस पर आपके सुदर्शन चक्र का पीछे-पीछे चलना- उसमें पूरा ध्यान इन बातों पर था। आपका नाम कहां से लेता।' नारद जी ने उत्तर दिया।

तब विष्णु जी ने कहा, 'इसी प्रकार गृहस्थ जीवन की आपाधापी, आजीविका अर्जन की गला काट देने के भय वाली कठिनाइयों के बाद भी, यदि किसान सुबह-शाम मेरा नाम ले लेता है, तो निश्चित रूप से वह सर्वश्रेष्ठ भक्त है ।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बनाएं करियर

■ नीलम रामअवध

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में उड़ने वाली चीज़ों को डिज़ाइन करना और बनाना शामिल है, जैसे कि हवाई जहाज़, हेलीकॉप्टर और रॉकेट। भारत में, यह करियर बढ़ रहा है क्योंकि ज़्यादा लोग उड़ान भर रहे हैं और अंतरिक्ष अन्वेषण ज़्यादा लोकप्रिय हो रहा है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर यह सुनिश्चित करते हैं कि विमान सुरक्षित, तेज़ और अच्छी तरह से काम करें। वे हवाई यात्रा और अंतरिक्ष मिशन के लिए नई, रोमांचक तकनीक बनाने में भी मदद करते हैं। अगर आप इस बारे में उत्सुक हैं कि विमान कैसे उड़ते हैं या रॉकेट अंतरिक्ष में कैसे पहुंचते हैं, तो यह नौकरी आपके लिए एकदम सही हो सकती है। यह एक मज़ेदार और चुनौतीपूर्ण करियर है जहाँ आप समस्याओं को हल कर सकते हैं और यात्रा और अन्वेषण के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, भारत में नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं!

एयरोनॉटिकल इंजीनियर क्या करते हैं?

एयरोनॉटिकल इंजीनियर विमान और अंतरिक्ष यान से संबंधित कई कार्यों पर काम करते हैं। कुछ सामान्य कर्तव्यों में शामिल हैं :

विमान डिजाइन करना : एयरोनॉटिकल इंजीनियर हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और यहां तक कि अंतरिक्ष यान के लिए योजनाएं और डिजाइन बनाते हैं। वे यह सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं कि उनके डिजाइन कुशल और सुरक्षित हैं।

विमान का परीक्षण : किसी विमान के उड़ान भरने से पहले, उसका परीक्षण किया जाना चाहिए। इंजीनियर यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण करते हैं कि विमान उच्च गति, अत्यधिक तापमान और दबाव में बदलाव जैसी विभिन्न स्थितियों को संभाल सकता है।

विमान का रखरखाव : यह सुनिश्चित करना कि विमान उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं, नौकरी का एक बड़ा हिस्सा है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर विमान प्रणालियों की मरम्मत और उन्नयन के लिए रखरखाव टीमों के साथ काम करते हैं।

नई तकनीक विकसित करना : इंजीनियर हमेशा नए विचारों पर काम करते रहते हैं, जैसे विमान को अधिक ईंधन-कुशल या शांत बनाना। वे ऐसी सामग्री भी विकसित करते हैं जो चरम स्थितियों का सामना कर सकती हैं, जैसे कि जब कोई अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करता है तो गर्मी।

एयरोनॉटिकल इंजीनियर के लिए आवश्यक कौशल

एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स का मिश्रण होना आवश्यक है। कुछ प्रमुख कौशल में शामिल हैं:

मजबूत गणित और भौतिकी ज्ञान : एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विमान पर काम करने वाली गति, दबाव और बलों से संबंधित बहुत सारी गणनाएँ शामिल होती हैं।

समस्या-समाधान कौशलः इंजीनियरों को जटिल समस्याओं का समाधान खोजने की आवश्यकता होती है, जैसे ईंधन दक्षता में सुधार या यांत्रिक मुद्दों को हल करना।

विवरण पर ध्यानः विमानन में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंजीनियरों को अपने डिजाइन और रखरखाव के दौरान हर विवरण पर ध्यान देना चाहिए।

कंप्यूटर कौशलः एयरोनॉटिकल इंजीनियर विमान को डिजाइन और परीक्षण करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं। कंप्यूटर-एडेड डिज़ाइन (CAD) टूल से परिचित होना आवश्यक है।

टीमवर्कः इंजीनियर अक्सर टीमों में काम करते हैं, अन्य इंजीनियरों, तकनीशियनों और पेशेवरों के साथ सहयोग करते हैं। अच्छा संचार और टीमवर्क कौशल महत्वपूर्ण हैं।

शैक्षिक आवश्यकताएं

भारत में एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए, आपको एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करनी होगी। कुछ सामान्य शैक्षिक पथों में शामिल हैं:

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) : यह चार साल का स्नातक कार्यक्रम है। इसमें वायुगतिकी, प्रणोदन, विमान संरचना और सामग्री विज्ञान जैसे विषय शामिल हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक) : बी.टेक पूरा करने के बाद, कुछ छात्र उन्नत ज्ञान और बेहतर नौकरी के अवसरों के लिए एम.टेक करते हैं। यह दो साल का कार्यक्रम है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमाः यह तीन साल का कोर्स है जिसे 10वीं कक्षा पूरी करने के बाद किया जा सकता है। यह एयरोनॉटिकल इंडस्ट्री में काम करने के लिए एक प्रवेश स्तर की योग्यता है। भारत में एक अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए, आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे शीर्ष संस्थानों के लिए JEE (संयुक्त प्रवेश परीक्षा) जैसी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

नौकरी के अवसर

भारत में विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, जो वैमानिकी इंजीनियरों के लिए कई रोजगार के अवसर पैदा करता है। कुछ प्रमुख क्षेत्र जहां वैमानिकी इंजीनियर नौकरी पा सकते हैं, उनमें शामिल हैं:

विमान निर्माण कंपनियाँ : हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) जैसी कंपनियाँ और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और महिंद्रा एयरोस्पेस जैसी निजी फर्म विमान डिजाइन और निर्माण के लिए वैमानिकी इंजीनियरों को नियुक्त करती हैं।

रक्षा क्षेत्र : भारतीय रक्षा उद्योग, जिसमें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) जैसे संगठन शामिल हैं, लड़ाकू जेट, मानव रहित हवाई वाहन (UAV) और अंतरिक्ष मिशन पर काम करने के लिए वैमानिकी इंजीनियरों को नियुक्त करते हैं।

एयरलाइंस : एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी एयरलाइनों के लिए विमान बेड़े को बनाए रखने और अपग्रेड करने के लिए वैमानिकी इंजीनियरों की आवश्यकता होती है। इन विमानों की सुरक्षा और प्रदर्शन सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

निजी और सरकारी अनुसंधान संस्थानः एयरोस्पेस अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने वाले संस्थान भी वैमानिकी इंजीनियरों को नौकरी देते हैं। यहां काम करने वाले इंजीनियर उड़ान में नई तकनीक और नवाचार विकसित करते हैं।

एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) सेवाएं : ये कंपनियां विमानों के रखरखाव और मरम्मत में विशेषज्ञ हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियर यह सुनिश्चित करते हैं कि विमान उड़ान के योग्य रहें और सुरक्षा मानकों का पालन करें।

वेतन और करियर ग्रोथ

भारत में, एक एयरोनॉटिकल इंजीनियर का वेतन अनुभव, स्थान और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। औसतन, इस क्षेत्र में एक नया स्नातक प्रति वर्ष लगभग 3 से 6 लाख के शुरुआती वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव के साथ, यह काफी बढ़ सकता है, वरिष्ठ इंजीनियरों को प्रति वर्ष 15 लाख या उससे अधिक तक की कमाई हो सकती है। रक्षा या अंतरिक्ष क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए, वेतन और भी अधिक हो सकता है। जो इंजीनियर प्रबंधकीय भूमिकाएँ लेते हैं या वायुगतिकी या प्रणोदन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं, वे भी तेज़ी से करियर ग्रोथ देख सकते हैं।

क्षेत्र में चुनौतियां

जबकि एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग रोमांचक अवसर प्रदान करती है, चुनौतियाँ भी हैं। काम बहुत मांग वाला हो सकता है, सख्त समय सीमा और सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उच्च दबाव के साथ। यह क्षेत्र बहुत प्रतिस्पर्धी भी है, और नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ बने रहना महत्वपूर्ण है।

भारत में यरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का भविष्य

हवाई यात्रा की बढ़ती मांग और एयरोस्पेस तकनीक में प्रगति के साथ भारत का विमानन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया पहल के लिए सरकार का जोर विमान और रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दे रहा है, जिससे वैमानिकी इंजीनियरों के लिए अधिक अवसर पैदा हो रहे हैं। गगनयान (भारत का चालक दल वाला अंतरिक्ष मिशन) जैसे अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों के विकास और ड्रोन और यूएवी के बढ़ते उपयोग के साथ, भारत में वैमानिकी इंजीनियरों के लिए भविष्य उज्ज्वल दिखता है। निष्कर्ष रूप में, वैमानिकी इंजीनियरिंग में करियर उन्नत विमान डिजाइन करने से लेकर अंतरिक्ष मिशन में भाग लेने तक के कई अवसर प्रदान करता है। सही शिक्षा, कौशल और दृढ़ संकल्प के साथ, आप भारत में इस रोमांचक क्षेत्र में एक पुरस्कृत करियर बना सकते हैं।

IDBI बैंक में 600 पदों पर निकली भर्ती

21 नवंबर से शुरू आवेदन, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

आईडीबीआई बैंक ने जूनियर असिस्टेंट मैनेजर (ग्रेड 'O') के 600 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट idbibank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

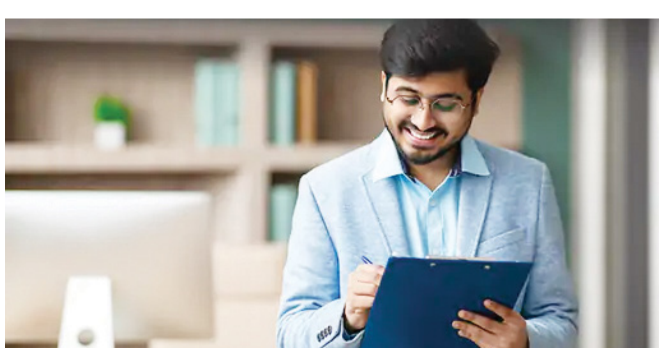

IDBI बैंक में भर्ती
पद : **जूनियर असिस्टेंट मैनेजर**
नंबर ऑफ पोस्ट : 600
आवेदन शुरू **21 नवंबर 2024** | लास्ट डेट **30 दिसंबर 2024**
फीस **1050 रुपए**

वैकेंसी डिटेल्स

जूनियर असिस्टेंट मैनेजर (जर्नलिस्ट) : 500 पद
स्पेशलिस्ट एग्री एसेट ऑफसिर : 100 पद
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
जूनियर असिस्टेंट मैनेजर (जर्नलिस्ट): ग्रेजुएशन की डिग्री।
ग्रेड 'O' स्पेशलिस्ट :
बीएससी, बीटेक, बीई की डिग्री।
इसके अलावा, एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, एनिमल हसबैंडरी, वेटनरी साइंस, फॉरेस्ट्री, डेयरी साइंस, और फूड साइंस में डिग्री।

आयु सीमा

न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल

फीस

एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी : 250 रुपए (सिर्फ इंटीमेशन चार्ज)
अन्य सभी : 1050 रुपए (फीस और इंटीमेशन चार्ज)

सिलेक्शन प्रोसेस

ऑनलाइन परीक्षा
इंटरव्यू
डाक्यूमेंट्स वेरिफिएशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी

पद के अनुसार 6.14 लाख से लेकर 6.50 लाख सालाना

ऐसे करें आवेदन

- ऑफिशियल वेबसाइट https://www.idbibank.in/ पर जाएं।
- होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
- अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
- जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
- अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
- फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सब्मिट करें। प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

केजीएमयू, लखनऊ में 336 पदों पर भर्ती

12वीं पास से लेकर ग्रेजुएट्स को मौका, एज लिमिट 40 साल

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में नॉन-टीचिंग ग्रुप बी और ग्रुप सी पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.kgmu.org पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

ओटी असिस्टेंट : 65 पद
टेक्नीशियन (डायलिसिस) : 36 पद
मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर : 23 पद
रिसेप्शनिस्ट : 23 पद
फार्मासिस्ट ग्रेड-2 : 38 पद
लाइब्रेरियन ग्रेड 2 : 4 पद
असिस्टेंट सिक्योरिटी ऑफिसर : 11 पद
कंप्यूटर प्रोग्रामर : 7 पद
टेक्निशियन ग्रेड - 2 (डेंटल) : 4 पद
टेक्नीशियन (न्यूक्लियर मेडिसिन) : 4 पद
जूनियर मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट : 7 पद
मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट (लैब) : 29 पद
टेक्निकल ऑफिसर (ईएनटी) : 4 पद
टेक्निकल ऑफिसर (नेत्र रोग विभाग) : 4 पद
टेक्नीशियन (रेडियोथेरेपी) : 20 पद
टेक्नीशियन (रेडियोलॉजी) : 49 पद
टेक्निकल ऑफिसर मेडिकल

(परफ्यूशन) : 4 पद
कुल पदों की संख्या : 336
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

संबंधित क्षेत्र में बीएससी/पीजी होल्डर्स/ग्रेजुएट/12वीं पास/ डिप्लोमा होल्डर आवेदन कर सकते हैं।

आयु सीमा

1 जुलाई 2024 तक उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए।

सिलेक्शन प्रोसेस

कॉमन रिक्वायरमेंट टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस

जनरल/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी : 2360 रुपए
एससी/एसटी : 1416 रुपए

सैलरी

जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन

- ऑफिशियल वेबसाइट www.kgmu.org पर जाएं।
- होमपेज पर "रजिस्ट्रेशन फॉर न्यू यूजर्स" के लिंक पर क्लिक करें।
- नाम और अन्य जानकारी दर्ज करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
- यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करके साइन इन करें।
- फॉर्म भरकर जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
- फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट करें।
- इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष : आज व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृष : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कर्क : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

सिंह : पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या : पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी।

तुला : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु : व्यावसायिक यात्रा में आज सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा।

मकर : कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ : नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी।

मीन : आज कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

जन्म कुंडली में किन ग्रहों के संयोग व्यक्ति को बनाते हैं धनवान

अपार धन योग (अखंड धन योग) धन योग। कुंडली में अपार धन योग (अखंड धन योग) बहुत ही विशेष योग तथा संयोग के द्वारा ही बनते है।

जब ये विशेष योग तथा संयोग कुंडली में बनते है जातक तभी धनिक बन पाता है तथा उसके जीवन में धन की देवी मुस्कुराती है। जब हम ज्योतिष में अपार धन योग अथवा अखंड धन योग के विषय में ये भ्रांति युक्त धारणा व्याप्त है कि कुंडली में त्रिकोण भाव का बली होने पर अथवा केंद्र त्रिकोण की युति बनना अपार धन योग बनाते है ... लेकिन जब हम वास्तविक जीवन में इन योगों अथवा स्थितियों को परखते है तो हमें दूर दूर तक इनमें सच्चाई नहीं दिखती। जितने भी धनी व्यक्ति है अथवा जिन्होंने अपार धन कमाया है या प्राप्त किया है उनकी कुंडली मे त्रिकोण भाव इतने प्रबल कभी नहीं होते क्यों कि त्रिकोण भावों के पास धन देने की शक्ति नही होती ..

प्रियंका जैन
9769994439

कुंडली में अपार धन योग (अखंड धन योग) बहुत ही विशेष योग तथा संयोग के द्वारा ही बनते है। जब ये विशेष योग तथा संयोग कुंडली में बनते है जातक तभी धनिक बन पाता है तथा उसके जीवन में धन की देवी मुस्कुराती है

कुंडली में अपार धन योग (अखंड धन योग)

जब तक किसी व्यक्ति की कुंडली में धन भाव सक्रिय नहीं होते तब तक उसे कभी धन ना तो प्राप्त होता है ना ही वह अपनी मेहनत से कभी भी धन कमा ही पाता है ..

आइये जानते है कौनसे भाव जन्म कुंडली में धन दायक भाव होते हैं।

कुंडली में धन भावः-

जन्म कुंडली में समस्त 12 भावों को क्रमशः चार भागों में बांटा गया है इनके नाम है ..

धर्म भाव - 1 5 9 (प्रथम , पंचम, नवम)

अर्थ भाव - 2 6 10 (अर्थ भाव,आमदनी आय भाव)

काम भाव - 3 7 10 (सभी कर्म जो जीवन की वृद्धि में सहायक है)

मोक्ष भाव - 4 8 12 (ये जीवन मे सुख, कष्ट , मृत्यु , मोक्ष को बताते है)

जब हम धन , आय , आमदनी तथा जीवन में कर्म अथवा बिना कर्म के धन प्राप्ति के विषय मे बात करते है तो 2 6 10 भाव आय अथवा आमदनी के तथा 3 7 11 भाव धन प्राप्ति के लिए किए गए कर्म के विषय में बताते हैं। बिना इन भावों के सक्रिय हुए अथवा बिना इन भावों के सहयोग के जातक कभी भी धनी नहीं हो सकता, चाहे वह अपनी मेहनत से कर्म करके धन कमाए या फिर उसे बिना मेहनत के धन प्राप्त हो या चाहे कोई पुश्तेनी धन प्राप्ति की बात ही क्यों ना हो।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

सपा की शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने 7 पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

लखनऊ। यूपी में 9 सीटों पर हुए उपचुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी ने कई जगहों पर पुलिसकर्मियों को मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। सपा की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के अनुसार, सीसामऊ में दो दारोगा अरुण सिंह व राकेश नादर को निलंबित किया गया है। इन पर मतदाताओं के साथ अभद्रता करने और चुनाव आयोग की गाइडलाइन उल्लंघन करने का आरोप है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने पांच पुलिसकर्मियों के निलंबन पर कहा कि हमें सूचना मिली थी कि कुछ पुलिसकर्मी चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। मतदान सुचारू रूप से चल रहा है। हमें सूचना मिली थी कि बाहर से लोग निर्वाचन क्षेत्र में घुस आए हैं। इसे देखते हुए उचित सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

डेढ़ लाख शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ा सकती है योगी सरकार

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सेवारत लगभग डेढ़ लाख शिक्षामित्रों का मानदेय राज्य सरकार बढ़ा सकती है। इस संबंध में वित्त विभाग को पत्र भेजा गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में शिक्षामित्रों को सम्मानजनक मानदेय दिए जाने को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर सरकार की तरफ से यह जानकारी मंगलवार को सुनवाई के दौरान दी गई। राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि लगभग 1.5 लाख शिक्षामित्रों के मानदेय वृद्धि से सरकारी खजाने पर भार पड़ेगा, इसलिए वित्त विभाग को सहमति के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। वाराणसी के विवेकानंद की अवमानना याचिका पर न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की पीठ सुनवाई कर रही है। याची के अधिवक्ता सत्येंद्र चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि 2023 में शिक्षामित्रों को समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग करते हुए याचिका दाखिल की गई थी। याचिका निस्तारित करते हुए न्यायालय ने कहा था कि शिक्षामित्रों को दिया जाने वाला मानदेय काफी कम है। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि समिति का गठन किया जाए। वित्तीय इंडेक्स के अनुसार जीवन जीने के लिए सम्मान जनक मानदेय निर्धारित किया जाए। आदेश का पालन नहीं किए जाने पर अवमानना याचिका दाखिल की गई है। सरकारी वकील ने कोर्ट को अवगत कराया कि कोर्ट के 12 जनवरी 2024 के आदेश के अनुपालन में शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी।

दूसरे चरण में हुई बंपर वोटिंग

ईवीएम में बंद हुई 528 प्रत्याशियों की किस्मत

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा के दूसरे चरण की वोटिंग खत्म हो गई है। दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ। 12 जिलों के 1.23 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दूसरे चरण में भी बंपर मतदान हुई है। लोगों ने लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। दूसरे चरण के चुनाव में शाम 5 बजे तक 67.59 फीसदी वोटिंग हुई।

दूसरे चरण में 38 सीटों मतदान संपन्न

झारखंड विधानसभा के दूसरे चरण में 38 जिलों पर मतदान संपन्न हो गया है. दूसरे चरण में राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पोड़ैयाहाट, गोड्डा, महागामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली और खिजरी में वोटिंग हुई।

पांच बजे तक 67.59 फीसदी वोटिंग

झारखंड में दूसरे चरण में भी बंपर मतदान हुआ है। दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 67.59 फीसदी वोटिंग हुई। हालांकि, कई बूथों पर मतदाता कतार में खड़े है, इससे मतदान फीसदी में बदलाव हो सकता है।

गिरिडीह 65.89ट
गोड्डा- 67.24
जामताड़ा- 76.16
दुमका- 71.74
देवघर – 72.46
धनबाद 63.39
पाकुड़- 75.88
बोकारो – 60.97
रांची- 72.01 (खिजरी- 69.20, सिल्ली- 76.72)
रामगढ़- 71.98
साहिबगंज- 65.63
हजारीबाग – 64.41

पटना जू में 9 साल से बंद पड़ी टॉय ट्रेन जल्द होगी शुरु

एजेंसी । पटना

पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना चिड़ियाघर) में 9 साल से बंद टॉय ट्रेन को फिर से शुरू करने की तैयारी जोरों पर है। इसके लिए दानापुर रेल मंडल ने हाल ही में चिड़ियाघर में सर्वे किया है। सर्वे के दौरान कहा गया है कि टॉय ट्रेन के ट्रैक और रूट पर कई संरचनात्मक बदलाव करने होंगे।

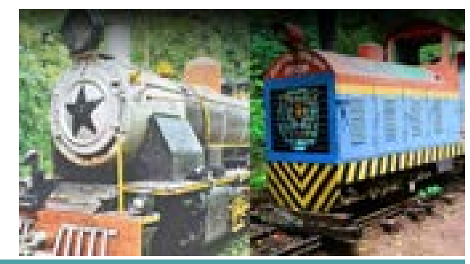

क्या-क्या बदलेगा ?

- टॉय ट्रेन की पटरियों की लंबाई 3.70 किमी से घटकर 3.5 किमी हो जायेगी।
- सोविनियर शॉप के पास बने स्टेशनको जल्द एक नया लुक दिया जायेगा। यहीं पर टिकट काउंटर भी होगा। विजिटर्स यहीं से टॉय ट्रेन का सफर शुरू करेंगे।
- टॉय ट्रेन अब नए रूट पर चलेगी। यह सोविनियर शॉप से शुरू होकर लकड़बग्घे के केज, चारा गोदाम, शेर और बाघ के केज, भालू, पक्षी, जेबरा, जिराफ, गैंडे, बाइसन, कैनरी, जंगल ट्रेल से गुजरते हुए जिराफ के पिछले हिस्से, मछली घर से होते हुए फिर सोविनियर शॉप पर रुकेगी।
- ट्रेन के दो हॉल्ट होंगे, जिनमें राइनो और फिश हाउस शामिल हैं। हाथी के केज के पास भी एक हॉल्ट प्रस्तावित है।
- टॉय ट्रेन में इंजन सहित 4 बोगियां होंगी। प्रत्येक बोगी में 20 सीटें होंगी, यानी इस ट्रेन में कुल 80 लोगों के बैठने की क्षमता होगी।
- टॉय ट्रेन के टिकट का दाम अभी तय नहीं किया गया है। पहले टिकट की दर 10 रुपये थी, जिसमें अब बदलाव होने की संभावना है।

कब शुरु होगा परिचालन ?

इस साल अगस्त महीने में कैबिनेट ने पिछले नौ सालों से बंद टॉय ट्रेन को फिर से चलाने की अनुमति दे दी है। इसके लिए कैबिनेट ने 9 करोड़ 88 लाख रुपये की राशि को मंजूरी दी है। टॉय ट्रेन का संचालन दानापुर रेल मंडल करेगा। इसके लिए वन विभाग और दानापुर रेल मंडल के बीच जल्द ही एमओयू होने वाला है। एमओयू के बाद राशि जारी कर दी जाएगी और दिसंबर से काम शुरू हो जाएगा।

प्रदूषण के बढ़ते स्तर से लोग हो रहे परेशान

एजेंसी । पटना

बिहार में वायु प्रदूषण एक गंभीर संकट बन चुका है, जो राज्य के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) को खतरनाक स्तर तक पहुंचा रहा है। बुधवार को हाजीपुर में AQI 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो इस मौसम का सबसे खराब प्रदूषण स्तर था। हाजीपुर की हवा में सांस लेना, एक दिन में कई सिगरेट पीने के बराबर माना जा रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक है।

इन शहरों में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर

पटना, मुजफ्फरपुर और अन्य शहरों में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर है। पटना के राजवंशी नगर में AQI 250 और दानापुर के DRM कार्यालय के पास AQI 266 तक पहुंच गया। मुजफ्फरपुर की बुद्ध कॉलोनी में यह 333 के खतरनाक स्तर पर था। राजगीर जैसे पर्यटन स्थल भी इस प्रदूषण से बचे नहीं हैं, जहां AQI 251 पाया गया। गया, बक्सर, समस्तीपुर, सहरसा और अन्य जिलों में भी प्रदूषण का स्तर बहुत ऊंचा रहा है।

अवैध खनन में जुटे मजदूर की बालू में दबने से हुई मौत

मौके से फरार हुआ JCB ड्राइवर

एजेंसी । लखीसराय

लखीसराय जिले के किऊल थाना क्षेत्र के घोषीकुंडी गांव स्थित किऊल नदी में बुधवार सुबह पांच बजे जेसीबी चालक के लापरवाही से बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक अवैध खनन में जुटे मजदूर की बालू में दबकर मौत हो गई। मामला सामने आने के बाद से ही इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मृतक की पहचान तेतरहट थाना क्षेत्र के खैरी गांव निवासी विनोद यादव के लगभग 28 वर्षीय पुत्र अमन कुमार उर्फ गोल्डन कुमार के रूप में हुई है।

मजदूर की बालू में दबने से हुई मौत

स्थानीय लोगों के अनुसार खैरी गांव निवासी अमन कुमार उर्फ गोल्डन बुधवार सुबह सरकार के निर्धारित क्षेत्र से बाहर जेसीबी से मिट्टी हटाकर गड्ढा कर जान जोखिम में डलवाकर मजदूरों के सहयोग से बालू निकाल रहा था। इसी दौरान धसान गिरने से घोलटन गड्ढे में दब गया। गड्ढे में दबे मजदूरों को छोड़ बालू माफिया जेसीबी चालक सहित मौके से फरार हो गया। जिसके कारण उसकी मौत मौके पर ही हो गई।

बच सकती थी मजदूर की जान

मृतक के साथ काम कर रहे अन्य मजदूरों ने बताया कि घोलटन के बालू में दबने के बाद माफिया जेसीबी चालक सहित मौके से फरार हो गया। अगर समय रहते जेसीबी चालक मौके से फरार ना होकर तत्काल बालू हटाता तो मजदूर की जान बचा सकती थी। दो थाना क्षेत्र का मामला होने की वजह से किसी भी थाने की पुलिस घटना के तीन घंटे बाद आठ बजे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंची। वहीं, खनन माफिया मृतक के परिजन को विश्वास में लेकर मामला को रफा दफा करने के प्रयास में जुट चुके हैं।

48 घंटे के भीतर लूट की तीन वारदातों का खुलासा

गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एजेंसी । मोतिहारी

मोतिहारी जिले में पिछले 48 घंटों के भीतर लूट की तीन अलग-अलग घटनाओं ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। इन घटनाओं को अंजाम देने वाले लुटेरा गिरोह का मास्टरमाइंड कुख्यात समीर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (SP) स्वर्ण प्रभात ने इन घटनाओं का पर्दाफाश करने और अपराधियों को पकड़ने के लिए चकिया एसडीपीओ सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी(SIT) की टीम ने टेक्निकल साक्ष्यों के आधार पर छानबीन शुरू की। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि लूट कांड का मुख्य आरोपी समीर सिंह संग्रामपुर थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे एक चोरी की बाइक के साथ

गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद समीर से पूछताछ में पता चला कि उसने डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर में बैंककर्मी अवनीश कुमार से लूट की घटना को अंजाम दिया था। अवनीश ने जब इसका विरोध किया, तो उसने उसे गोली मार दी और उसकी बाइक लेकर फरार हो गया। इसके बाद कल्याणपुर थाना क्षेत्र में सीएसपी संचालक से दो लाख रुपये लूट लिए। पिपरा कोठरी में उसने एक बाइक सवार को निशाना बनाकर छीना-झपटी की घटना को अंजाम दिया। इन तीन घटनाओं के खुलासे से पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।

नोकिया ने एयरटेल के साथ मल्टी-बिलियन-एक्सटेंशन डील की

पार्टनरशिप के तहत नोकिया भारत के कई शहरों में अपने 4G और 5G इक्विपमेंट्स लगाएगी

एजेंसी । मुंबई

नोकिया ने भारती एयरटेल से मल्टी-बिलियन एक्सटेंशन डील हासिल कर ली है। इस डील के तहत नोकिया मल्टी-ईयर यानी कई सालों तक भारतीय शहरों में अपने 4G और 5G इक्विपमेंट्स लगाएगी। भारती एयरटेल ने बुधवार (20 नवंबर) को इस डील की जानकारी दी है। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और MD गोपाल विट्टल ने कहा कि इस डील से एयरटेल के लिए कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस बेहतर होंगे। विट्टल ने कहा, 'नोकिया के साथ यह स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप हमारे नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगी। इसके अलावा ग्राहकों को बेजोड़ यूजर एक्सपीरियंस के साथ-साथ ऐसा नेटवर्क प्रोवाइड करेगी, जो इको-फ्रेंडली होगा और एनवायरनमेंट पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करेगा।' यह डील एयरटेल सब्सक्राइबर्स के लिए प्रीमियम 5G कनेक्टिविटी और हाई क्वालिटी सर्विस देगी

एयरटेल को दूसरी तिमाही में ₹3,593 करोड़ का मुनाफा

टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 3,593 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 168% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 1,340 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

सब्सक्राइबर्स को प्रीमियम 5G कनेक्टिविटी और हाई क्वालिटी सर्विस मिलेगी

नोकिया के प्रेसिडेंट और CEO पेक्का लुंडमार्क ने कहा कि यह एग्रिमेंट दोनों कंपनियों के बीच कोलेबोरेशन को मजबूत करता है और एयरटेल के नेटवर्क की एनर्जी एफिशिएंसी को बढ़ाएगा।' नोकिया के CEO ने कहा कि इस डील से एयरटेल सब्सक्राइबर्स को प्रीमियम 5G कनेक्टिविटी और हाई क्वालिटी सर्विस मिलेगी।

नोकिया-एयरटेल के बीच नेटवर्क इक्विपमेंट के लिए दो दशक पुरानी पार्टनरशिप

नोकिया और भारती एयरटेल के बीच नेटवर्क इक्विपमेंट के लिए दो दशक से ज्यादा पुरानी पार्टनरशिप है। दोनों ने हाल ही में एयरटेल के नेटवर्क की एनर्जी एफिशिएंसी में सुधार लाने और कार्बन एमिशन को कम करने के लिए 'ग्रीन 5G इनिशिएटिव' शुरू किया है।

एयरटेल की पहले नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ चल रही थी बातचीत

16 अक्टूबर को मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि सुनील मित्तल की लीडरशिप वाली भारती एयरटेल की उसके टेलीकॉम इक्विपमेंट सप्लायर्स – नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ बातचीत चल रही है। अगस्त 2022 में हुए एग्रीमेंट की तरह इन कंपनियों से एयरटेल के 4G और 5G नेटवर्क के लिए नए इक्विपमेंट की रिक्वायरमेंट्स का लगभग 50%, 45% और 5% सप्लाई करने का अनुमान है। एयरटेल की यह डील वोडाफोन आइडिया की तीन मेजर इक्विपमेंट वेंडर्स के साथ 3.6 बिलियन डॉलर की इक्विपमेंट डील के बाद हुई है। VI की यह डील 4G नेटवर्क का विस्तार करने और धीरे-धीरे 5G सर्विस शुरू करने के लिए है।

NTPC ग्रीन-एनर्जी का IPO पहले दिन 0.36 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी । मुंबई

NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का IPO पहले दिन यानी 19 नवंबर को टोटल 0.36 गुना सब्सक्राइब हुआ है। रिटेल कैटेगरी में यह IPO 1.47 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) कैटगरी में 0 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में 0.17 गुना सब्सक्राइब हो चुका है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के चलते आज (20 नवंबर) शेयर बाजार बंद है, इसीलिए आज इस इश्यू के लिए बोली नहीं लगा सकेगें। निवेशक इस पब्लिक इश्यू के लिए 22 नवंबर तक बिडिंग कर सकेंगे। 27 नवंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे।

इस इश्यू के जरिए कंपनी 10,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए NTPC ग्रीन एनर्जी पूरे 10,000 करोड़ के 925,925,926 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। कंपनी के मौजूदा निवेशक एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं।

रहेजा डेवलपर्स ने एनसीएलएटी का किया रुख

एजेंसी । नई दिल्ली

रहेजा डेवलपर्स ने दिवाला कार्यवाही शुरू करने के फैसले को अपीलीय अधिकरण एनसीएलएटी के समक्ष याचिका दायर कर बुधवार को चुनौती दी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण ने रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का मंगलवार को निर्देश दिया था। गुरुग्राम स्थित शिलास परियोजना के फ्लैट आवंटियों की याचिका पर यह निर्देश दिया गया है। एनसीएलटी ने मणिंद्र के तिवारी को अंतरिम समाधान पेशेवर भी नियुक्त किया और उन्हें 22 जनवरी 2025 तक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है।

नोकिया को अरबों डॉलर का 5जी विस्तार का ठेका

एजेंसी । नई दिल्ली

फिनलैंड की दूरसंचार उपकरण कंपनी नोकिया ने भारती एयरटेल से कई साल का, कई अरब डॉलर का सौदा हासिल किया है। इसके तहत नोकिया भारत के प्रमुख शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण लगाएगी। अनुबंध के अनुसार, नोकिया अपने 5जी एयरस्केल पोर्टफोलियो से उपकरण तैनात करेगी। इनमें बेस स्टेशन, बेसबैंड इकाइयां और विशाल एमआईएमओ रेडियो की नवीनतम पीढ़ी शामिल है, जो सभी इसकी ऊर्जा-कुशल 'रीफशार्क सिस्टम-ऑन-चिप तकनीक' द्वारा संचालित हैं।

छमाही में गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात घटा

एजेंसी । नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात 9.83 प्रतिशत घटकर 6.32 करोड़ टन रह गया है। गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयता आयात पिछले साल समान अवधि में 7.02 करोड़ टन रहा था। घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा मिश्रण प्रयोजन के लिए कोयले का आयात भी अप्रैल-सितंबर अवधि में 8.59 प्रतिशत घटकर 97.9 लाख टन रह गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 1.07 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा, यह इन क्षेत्रों के लिए घरेलू कोयला आपूर्ति पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है।

नाबार्ड ऋण कटौती पर चर्चा के लिए समय मांगा

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से राज्य को मिलने वाली ऋण राशि में इस साल की गई कटौती पर चर्चा के लिए उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने का समय मांगा है। सिद्धारमैया ने कहा, इस साल राज्य को नाबार्ड से मिलने वाला कर्ज कम कर दिया गया है। पिछले साल 5,600 करोड़ रुपये दिए गए थे, इस साल 2,340 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें 58 प्रतिशत की कटौती की गई है।उन्होंने कहा कि नाबार्ड वित्त मंत्रालय के अधीन आता है और मैं उनसे अनुरोध करूंगा।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की लड़कियों ने किया कमाल

चीन को धूल चटाकर रचा नया इतिहास

एजेंसी । राजगीर

बिहार के राजगीर में हुई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय महिला टीम ने तिरंगा लहरा दिया है और चीन को पटकते हुए तीसरी बार खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने चीन को 1-0 से हराया। भारतीय प्लेयर्स ने कमाल का प्रदर्शन किया और गेंद को ज्यादातर समय अपने नियंत्रण में रखा और दूसरी तरफ चीन की प्लेयर्स मैच में एक भी गोल नहीं कर पाईं। भारत के लिए मैच का एकमात्र गोल दीपिका ने किया और उनके गोल की मदद से ही भारत खिताब जीतने में सफल रहा है।

भारत ने ACT 2024 में नहीं हारा एक भी मुकाबला

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत ने पांच मुकाबले खेले और सभी में जीत हासिल की। यानी की टीम एक भी मैच हारे बिना चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने कब्जे में कामयाब रही है। चीन की टीम ने पांच मुकाबले खेले, जिसमें से सिर्फ एक हारा और वह भी फाइनल। फाइनल में भारत के आगे चीन की प्लेयर्स कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए।

सबसे ज्यादा बार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली हॉकी टीमें

भारतीय टीम	3 बार
साउथ कोरिया	3 बार
जापान	2 बार

दीपिका ने किया शानदार गोल

पहला हॉफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनाल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। दूसरे हॉफ के पहले ही मिनट में भारत को लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पर पहला शॉट चूक गया लेकिन गेंद सर्कल के भीतर ही थी और नवनीत की स्टिक से डिफ्लेक्ट होकर दीपिका के पास पहुंची जिसने शानदार फ्लिक से उसे गोल के भीतर डाला।

भारत ने साउथ कोरिया की कर ली बराबरी

सलीमा टेटे की अगुवाई में भारत महिला टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में दबदबा कायम रखा और पूरे टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं हारा। सेमीफाइनल में भारत ने जापान को मात दी थी। भारत ने तीसरी बार (2016, 2023, 2024) एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है। इसी के साथ भारत ने साउथ कोरिया की बराबरी कर ली है। साउथ कोरिया ने भी ACT चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल तीन बार जीता था।

विश्व कप क्वालीफायर

मार्टिनेज के दम पर अर्जेंटीना ने पेरू को हराया

एजेंसी । ब्यूनस आयर्स

लौतारो मार्टिनेज के गोल के दम पर अर्जेंटीना ने विश्व कप फुटबॉल 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में पेरू को 1-0 से हराकर क्वालिफिकेशन की ओर अगला कदम बढ़ा दिया। वहीं ब्राजील ने सल्वाडोर में उरूग्वे से 1-1 से ड्रॉ खेला। उरूग्वे के लिए फेडरिको वाल्वेर्डे ने पहला गोल दागा जबकि गेरसन ने ब्राजील के लिए बराबरी का गोल किया। अर्जेंटीना दक्षिण 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर जबकि उरूग्वे उससे पांच अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। इक्वाडोर और कोलंबिया के 19 अंक हैं। ब्राजील 18 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि पराग्वे उससे दो अंक पीछे है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर से छह टीमें विश्व कप में जगह बनाएंगी। सातवें नंबर की टीम बोलिविया अंतरराष्ट्रीय प्लेआफ खेलेंगी जबकि वेनेजुएला (12), चिली (नौ) और पेरू (सात) क्वालीफाइंग दौड़ से बाहर हैं।

आठवीं जीत के साथ जापान क्वालीफिकेशन के करीब

एजेंसी । शियामेन

चीन को 3-1 से हराकर जापान लगातार आठवीं बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। उससे नौ अंक पीछे दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई क्वालीफाइंग दौर में बहरीन से 2-2 से ड्रॉ खेला। चीन को सितंबर में अपनी धरती पर 7-0 से हराने के बावजूद जापान को इस मैच में पहला गोल करने में 39 मिनट लगे। कोकी ओगावा ने हेडर पर यह गोल दागा जबकि दूसरा गोल को इताकूरा ने किया। चीन के लिए लिन लियांगमेन ने दूसरे हाफ में गोल किया लेकिन ओगावा ने इसके तुरंत बाद दूसरा गोल दाग दिया। जापान के छह मैचों में 16 अंक है जबकि ग्रुप सी के चार मैच बाकी है। ऑस्ट्रेलिया सात अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इंडोनेशिया ने जकार्ता में खेले गए मैच में मार्शेलिनो फर्डिनन के दो गोल के दम पर सउदी अरब को 2-0 से हराया। आखिरी बार इंडोनेशिया ने 1938 में विश्व कप खेला था।

हार्दिक पंड्या दूसरी बार बने नंबर-1

एजेंसी । दुबई

हार्दिक पंड्या को बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। वो एक बार फिर ऑलराउंडर्स की टी20 रैंकिंग में नंबर-1 हो गए हैं। ये दूसरी बार है जब हार्दिक पंड्या टी20 में नंबर-1 ऑलराउंडर बने हैं।

वर्मा ने भी बहुत लंबी छलांग लगाई

हार्दिक के अलावा तिलक वर्मा ने भी बहुत लंबी छलांग लगाई है। वो बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं। तिलक 69 स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे पायदान पर आए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड टी20 के नंबर-1 और इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे नंबर के बैटर हैं। पंड्या ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी दम पर उन्होंने टी20 ऑलराउंडर्स की ताजा जारी रैंकिंग में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ दिया। हार्दिक पंड्या की 4 टी20 की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 39* रन की पारी ने भारत की पारी को संतुलित करने में मदद की जबकि निर्णायक टी20 में उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की और अपने 3 ओवर में महज 8 रन देकर 1 विकेट हासिल कर ये पक्का किया कि भारत ये सीरीज 3-1 से जीते।

लियोनल मेसी भारत में खेलेंगे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

विश्व के महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी अगले साल भारत के दौरे पर आ सकते हैं। दरअसल, अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए केरल आएगी। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने बुधवार को खुलासा किया कि मेसी सहित अर्जेंटीना की टीम 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए राज्य का दौरा करेगी। ऐसे में यह भारत में मौजूद फुटबॉल प्रशंसको के लिए दिलचस्प खबर है।

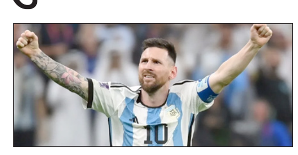

तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अब्दुरहीमान ने कहा कि मैच राज्य सरकार की पूर्ण निगरानी में आयोजित किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, 'इस हाई-प्रोफाइल फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सभी वित्तीय सहायता राज्य के व्यापारियों द्वारा प्रदान की जाएगी।'

मुंबई के मैदानों से

निशुल्क क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांबे जिमखाना द्वारा उसके सीएसआर पहल 'बीजी केअर' के अंतर्गत बॉयज अंडर-19 और बॉयज अंडर-23 क्रिकेट खिलाड़ियों हेतु निशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों के चयन के लिए दो दिनों का ट्रॉयल 21 और नवंबर को रखा गया है। इस ट्रॉयल में चुने गए 20 खिलाड़ियों को अनुभवी क्रिकेट कोच फरहद दारुवाला की देख-रेख में 26 नवबंर 2024 से लेकर 31 मई 2025 तक बतौर प्रशिक्षु क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फरहद दारुवाला विश्व क्रिकेट अकादमी और आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल के लिए जुबिन भरुचा के साथ सहायक कोच के तौर पर काम कर चुके हैं।

एमसीसी, ग्रीन की दूसरी जीत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एमसीसी (ग्रीन) की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एमसीसी प्रो-40 लीग की क्रिकेट स्पर्धा में पूर्व विजेता एमसीसी (रेड) को दो विकेट से पराजित किया और अपने अपराजेय रेकॉर्ड को कायम रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमसीसी (रेड) ने 35.3 ओवरों में 168 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमें दियान कुबाड़िया ने सर्वाधिक 45 रनों का योगदान दिया। अंकुश पासवान के 29 रन और अमित चौहान 27 रनों की मदद से एमसीसी (ग्रीन) ने दो विकेट अपने खाते में रखते हुए विजय लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इसके पहले एमसीसी (ग्रीन) ने एमसीसी (येलो) को 193 रनों से धुल चटाई थी।

अजय देवगन की फिल्म का हिस्सा बने विक्की कौशल

इन दिनों अभिनेता अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' सिनेमाघरों में लगी हुई है और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कुछ दिन पहले अजय ने अपनी अगली फिल्म का ऐलान किया था। वह इससे बतौर निर्देशक जुड़े हैं और फिल्म के हीरो अक्षय कुमार हैं।

अब खबर आ रही है कि अजय और अक्षय की फिल्म में दिग्गज अभिनेता विक्की कौशल की एंट्री हो चुकी है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी। रिपोर्ट के अनुसार, अजय की अगली फिल्मों में 2 हीरो होंगे, जिसमें एक अक्षय और दूसरे विक्की हैं। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अजय ने विक्की से संपर्क किया है और उन्होंने इस फिल्म के हामी भर दी है। हालांकि, चीजें अभी शुरुआती चरण में हैं। कहा जा रहा है कि अजय जल्द इस खबर का आधिकारिक ऐलान करने वाले हैं। अगले साल सितंबर या अक्तूबर तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

साथ काम कर चुके हैं अक्षय और अजय

'सुहाग' (1994), 'खाकी' (2004), 'इंसान' (2005), 'सिम्बा' (2018), 'सूर्यवंशी' (2021) और 'सिंघम अगेन' (2024) के बाद अजय और अक्षय ने सातवीं फिल्म के लिए सहयोग किया है, वहीं विक्की पहली बार अजय और अक्षय के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। विक्की का काम अजय को काफी पसंद है। इसलिए उनकी फिल्म के लिए विक्की से बातचीत चल रही है। इससे पहले अजय 'यू मी और हम', 'शिवाय' और 'रनवे 34' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

चीन में रिलीज होगी 'महाराजा'

विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप की फिल्म 'महाराजा' को 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। महज 20 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 110 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। भारत में धूम मचाने के बाद अब 'महाराजा' को चीन में रिलीज किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

'महाराजा' को 29 नवंबर, 2024 को चीन के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लगभग 40,000 स्क्रीन पर रिलीज होने की उम्मीद है। विजय ने खुद इस खबर की जानकारी दी और लिखा, 'फिल्म 'महाराजा' चीन में रिलीज होने के लिए तैयार है।' इस फिल्म में ममता मोहनदास और नटराजन सुब्रमण्यम जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है। इस फिल्म का निर्देशन निथिलन समिनाथन ने किया है। 'महाराजा' को आप OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते है।

एआर रहमान के बाद उनकी एक सहयोगी ने पति से लिया तलाक

इंस्टाग्राम पोस्ट कर किया ऐलान, कहा- आपसी समझ से लिया है फैसला

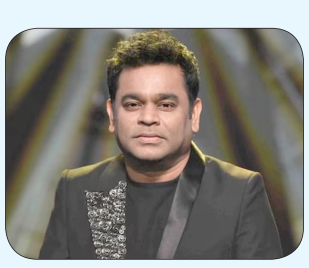

ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के अपनी पत्नी सायरा बानो से तलाक लेने के कुछ घंटे बाद ही उनकी एक सहयोगी मोहिनी डे ने भी अपने पति से तलाक लेने का फैसला किया है। मोहिनी ने खुद इसकी जानकारी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिये साझा की। उन्होंने बताया कि वह पति मार्क हार्टसच से अपनी शादी खत्म कर रही हैं। मोहिनी डे ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, भारी मन से मार्क और मैं ऐलान करते हैं कि हम अलग हो गए हैं। यह फैसला अपसी समझ से लिया है। हालांकि हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों अपनी जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहते हैं, जिसके चलते हमने यह फैसला लिया है। मोहिनी की मानें तो वह और मार्क भले ही अलग हो रहे हैं। लेकिन अपने प्रोजेक्ट्स पर वह एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

'निजता का सम्मान करें'

मोहिनी ने पोस्ट में दोस्तों और फैंस से अपील की है कि उनके इस फैसले पर उन्हें जज न करें, बल्कि मदद करें। साथ ही हमारे प्रति पॉजिटिव रहकर हमारे फैसले और निजता का सम्मान करें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 29 वर्षीय मोहिनी कोलकाता की रहने वाली हैं। वह एक बैस प्लेयर हैं। मोहिनी डे गिटारिस्ट के तौर पर 40 से अधिक शो एआर रहमान के साथ देश-विदेश में कर चुकी हैं। उन्होंने एआर रहमान के साथ दुनियाभर में 40 से ज्यादा शो किए हैं। अगस्त 2023 में अपना पहला एल्बम रिलीज किया था।

2025 में बॉलीवुड डेब्यू करेंगे शाहरुख खान के बेटे आर्यन

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। शाहरुख ने 19 नवंबर को आर्यन के बॉलीवुड डेब्यू का अनाउंसमेंट किया है। आर्यन खान किसी एक्टर की तरह नहीं बल्कि बतौर डायरेक्टर इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगे। जहां एक ओर फिल्मी जगत के कई सितारे शाहरुख और उनके बेटे को ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं वहीं स्टार किड्स को निशाने पर रखने वाली एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी इसपर रिएक्शन दिया है।

बता दें, आर्यन खान ने नेटफ्लिक्स के लिए एक वेब सीरीज का डायरेक्शन किया है साल 2025 में आएगी और इसी से उनका इंडस्ट्री में डेब्यू होगा। वहीं निर्देशक के रूप में शुरुआत करने जा रहे आर्यन को लेकर एक्ट्रेस-सांसद कंगना ने पहली बार उनकी तारीफ की है। यूं तो कंगना को बॉलीवुड स्टार किड्स जरा भी नहीं भाते, लेकिन शाहरुख खान के बेटे डेब्यू के लिए उनके सुर कुछ बदल गए हैं।

एक्ट्रेस ने आर्यन का इंडस्ट्री में स्वागत करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखा है जिसमें उन्होंने जमकर तारीफें की हैं। उन्होंने लिखा- ₹ये बहुत अच्छी बात है कि फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले बच्चे सिर्फ मेकअप करने, वजन घटाने, सजने-संवरने और खुद को अभिनेता समझने की चाहत से आगे बढ़ रहे हैं।₹

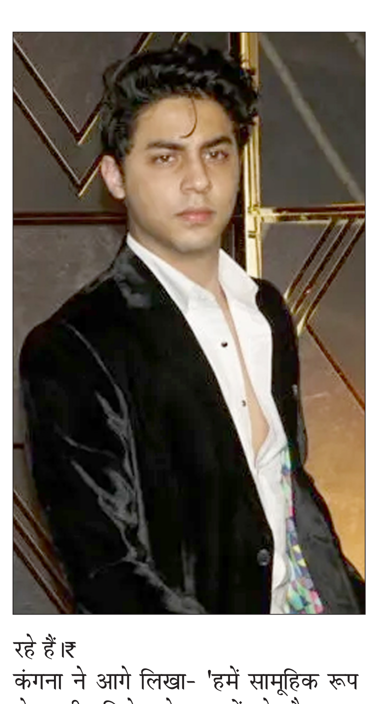

कंगना ने आगे लिखा- 'हमें सामूहिक रूप से भारतीय सिनेमा के मानकों को और ऊपर उठाना होगा। जिनके पास संसाधन हैं वे अक्सर आसान रास्ते चुनते हैं। हमें कैमरों के पीछे ज्यादा लोगों की जरूरत है। ये अच्छी बात है कि आर्यन उस रास्ते पर आ रहे हैं जिसे कम लोग चुनते हैं। एक राइटर और फिल्ममेकर के रूप में उनके डेब्यू का बेसब्री से इंतजार है।'

'छावा' की रिलीज टली

पिछले लंबे समय से विक्की कौशल अपनी आगामी फिल्म 'छावा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान लक्ष्मण उतेकर ने संभाली है। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब खबर आ रही है कि निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज टाल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'छावा' को अब अगले साल शिवाजी जयंती के खास मौके पर यानी 19 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा निर्माता 14 और 21 फरवरी तारीखों पर भी विचार कर रहे हैं। अब बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' का सामना अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से नहीं होगा। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में भी रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं।

छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे विक्की

'छावा' में विक्की महान मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं। अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है। 'जरा हटके जरा बचके' के बाद लक्ष्मण और विक्की के बीच यह दूसरा सहयोग है। हाल ही में विक्की और रश्मिका ने मुंबई में 700 बैकग्राउंड डांसर्स के साथ फिल्म का एक खास गाना शूट किया है।

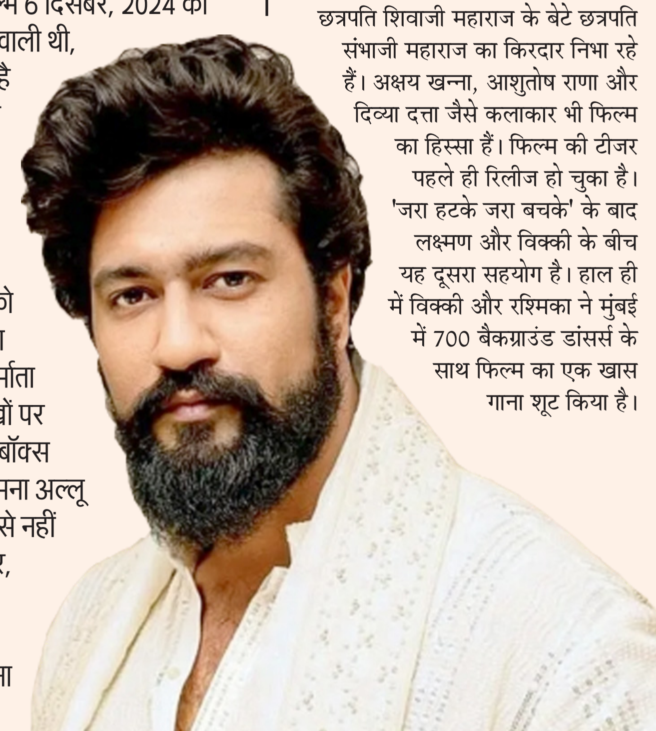

न्यूज़ ब्रीफ

काजीरंगा नेशनल पार्क में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि एनएचएआई काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 34 किमी के प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर को जल्द से जल्द पूरा करेगा और इसके साथ ही अन्य

हितधारक वन्यजीव-अनुकूल उपाय के लिए पूरा समर्थन प्रदान करेंगे। पीठ ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि असम राज्य और एमओआरटीएच काजीरंगा अभयारण्य के दो हिस्सों को विभाजित करने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं ताकि वन्यजीवों को जंगल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आसानी आना जाना हो सके। पीठ ने कहा, हमें उम्मीद है कि एनएचएआई जल्द से जल्द परियोजना को पूरा करेगा और अन्य हितधारकों से भी उम्मीद है कि वे उक्त परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग प्रदान करेंगे।

तमिलनाडु में शिक्षिका पर स्कूल में जानलेवा हमला

मल्लिपत्तनम। तमिलनाडु के मल्लिपत्तनम में सरकारी स्कूल परिसर में एक युवक ने एक महिला शिक्षिका पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इससे शिक्षण संस्थान में कुछ तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने बताया कि बाद में हिरासत में लिए गए युवक ने स्कूल के स्टाफ रूम में शिक्षिका पर उसके सहकर्मियों के सामने बार-बार चाकू से हमला किया। घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और तमिलनाडु के स्कूली शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने तंजावुर जिले के मल्लिपत्तनम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका रमानी पर हमले की कड़ी निंदा की। पुलिस ने जानलेवा हमले के पीछे निजी कारण बताया है। शिक्षिका को यहां सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तेलंगाना में बैंक से 13 करोड़ का 19 किलो सोना चोरी

वारंगल। तेलंगाना के वारंगल जिले में सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक से चोरों ने 13.6 करोड़ रुपए मूल्य के 19 किलोग्राम से अधिक सोने के आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने बताया कि चोर रायपर्ती मंडल स्थित बैंक की शाखा में गैस कटर से खिड़की काटकर घुसे और मुख्य तिजोरी से करीब 19.5 किलोग्राम वजन के सोने के आभूषण चुराकर फरार हो गए। बैंक के कर्मचारियों को मंगलवार को चोरी के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

बालासोर में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में बुधवार को सुबह एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 से 25 वर्ष की आयु के चार युवक मोटरसाइकिल पर सवार थे और एक संकरे पुल को पार करते समय चालक मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो बैठा जिसके चलते वाहन फिसल गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

सबूत बदलने के मामले में एंटनी राजू के खिलाफ फिर चलेगा मुकदमा

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मंत्री एंटनी राजू के खिलाफ एक पुराने मामले में निचली अदालत में फिर से कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया। यह मामला 1990 में नशीले पदार्थों की बरामदी से जुड़ा है। आरोप है कि राजू ने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की थी। जस्टिसस सी.टी.रविकुमार और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट का यह फैसला कानूनी रूप से सही था कि राजू के खिलाफ निचली अदालत में फिर से कार्यवाही की जाए। शीर्ष कोर्ट ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह इस मामले की सुनवाई एक साल के भीतर पूरी करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि राजू को 20 दिसंबर या फिर उसके बाद किसी भी तारीख को निचली अदालत में हाजिर होना होगा। केरल हाईकोर्ट ने 10 मार्च 2023 को तकनीकी कारणों से इस मामले में कार्यवाही को रद्द कर दिया था। राजू जनादिपथ्य केरल कांग्रेस (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का सहयोगी दल) के सदस्य हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने 1990 में नशीली दवाओं की बरामदगी के मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ की थी। राजू नशील दवाओं के मामले में वकील थे।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को दिया आदेश

पूरा मामला क्या था ?

यह मामला एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक से जुड़ा था, जिसे 1990 में तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर हैशिश (नशीली दवा) की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष (सरकार) ने उसे दोषी साबित करने के लिए एक सबूत पेश किया था। जिसमें बताया गया था कि आरोपी ने जो इनरवियर पहना था, उसमें हैशिश छिपाई गई थी। लेकिन आरोपी के वकील ने कोर्ट को बताया कि वह इनरवियर उस ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के लिए बहुत छोटा था, यानी वह इनरवियर उस व्यक्ति के आकार के हिसाब से फिट नहीं था। इस वजह से 1993 में केरल हाईकोर्ट ने उस व्यक्ति को निर्दोष माना और उसे बरी कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया फिर कार्यवाही का आदेश

इसके बाद पुलिस जांच में पता चला कि राजू ने अदालत से इनरवियर प्राप्त किया था और उसे चार महीने बाद आरोपी को लौटाया गया। इसके बाद जिला कोर्ट ने राजू और कोर्ट के क्लर्क के खिलाफ सबूत बदलने का मामला दर्ज करने का आदेश दिया था। बाद में हाईकोर्ट ने इस मामले को तकनीकी कारणों से खारिज किया लेकिन यह भी कहा कि आरोप गंभीर हैं और न्यायिक कार्यों में दखल देते हैं, जिससे न्याय प्रणाली पर असर पड़ता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि इन आरोपों की सही तरीके से जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा होनी चाहिए। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फिर से कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है।

मद्रास हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी कल्लाकुरिची शराब त्रासदी की जांच

एजेंसी । चेन्नई

मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को कल्लाकुरिची शराब त्रासदी की जांच अपने हाथ में लेने का आदेश दिया, जिसमें जून और जुलाई के दौरान तमिलनाडु में 68 लोगों की जान चली गई थी। अदालत ने अपराध शाखा-आपराधिक जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) को दो सप्ताह के भीतर मामले की सभी सामग्री केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का भी निर्देश दिया।

तमिलनाडु पुलिस पर तीखी टिप्पणी

पीठ ने आदेश में कहा, सीबीआई को तीनों मामलों (जहरीली शराब त्रासदी से संबंधित) के सभी पहलुओं की जांच करने और यथाशीघ्र क्षेत्राधिकार वाली अदालत के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। यह आदेश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति पीबी बालाजी की दूसरी खंडपीठ ने एआईएडीएमके के आईएस इनबादुरई, पीएम के केके बालू, डीएमडीके के बी पार्थसारथी और भाजपा के ए मोहन दास की तरफ से दायर रिट याचिकाओं की श्रृंखला के जवाब में जारी किया।

सीबीआई हस्तक्षेप की आवश्यकता- हाईकोर्ट

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि तमिलनाडु में शराब त्रासदी एक आवर्ती मुद्दा बन गई है और पिछली सीबी-सीआईडी जांच पर्याप्त निवारक के रूप में कार्य करने में विफल रही है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एनएल राजा, वी राघवचारी और अधिवक्ता 'एलिफेंट' जी राजेंद्रन की तरफ से की गई दलीलों से सहमति जताते हुए निष्कर्ष निकाला कि इस मामले में महत्वपूर्ण जानमाल के नुकसान के कारण सीबीआई हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एक अलग लेकिन सहमत फैसले में, न्यायमूर्ति बालाजी ने टिप्पणी की कि कल्लकुरिची की घटना को शराब के दुरुपयोग के खतरों को दूर करने के लिए एक सामाजिक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए।

'मुठभेड़ में हुई नक्सली विक्रम गौड़ा की मौत'

गृह मंत्री ने हत्या की जांच वाली मांग को किया खारिज

एजेंसी । उडुपी

कर्नाटक के उडुपी में मुठभेड़ में नक्सली विक्रम गौड़ा की मौत के मामले में हत्या की जांच की मांग को सरकार ने खारिज कर दिया है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि विक्रम गौड़ा को नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) ने मुठभेड़ में मार गिराया था। अगर एएनएफ ने उसे गोली नहीं मारी होती, तो वह उन सभी पर गोली चलाता। गौड़ा के पास घातक हथियार था। इसलिए उसे पहली नजर में गोली मारी गई थी। इसलिए उसकी मौत को लेकर कोई संदेह करने की जरूरत नहीं है। इस मामले में हत्या की जांच कराने जैसा कुछ नहीं है।

गौड़ा के खिलाफ हत्या के आरोपों सहित 60 से अधिक मामले दर्ज

गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि गौड़ा के खिलाफ हत्या के आरोपों सहित 60 से अधिक मामले दर्ज हैं। इसलिए कोई जोखिम नहीं उठाते हुए उसका एनकाउंटर किया गया। विभाग से लिखित में मिलने के बाद मैं आगे की जानकारी साझा कर सकता हूं। करकला के भाजपा विधायक वी सुनील कुमार के कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद नक्सली गतिविधियां बढ़ने वाले बयान पर गृह मंत्री ने कहा कि यह घटना उनके निर्वाचन क्षेत्र करकला में हुई, जहां एएनएफ का मुख्यालय भी है। एएनएफ लगातार नक्सली गतिविधियों पर नजर रख रहा था।

भर्ती घोटाला : पार्थ चटर्जी समेत पांच की जमानत पर विभाजित फैसला

एजेंसी । कोलकाता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और चार अन्य की जमानत याचिका पर बुधवार को विभाजित फैसला दिया। न्यायमूर्ति अरिजीत बंद्योपाध्याय ने पीठ के समक्ष अपील करने वाले सभी नौ आरोपियों की जमानत मंजूर कर ली जबकि, न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय ने चटर्जी और शिक्षा विभाग के चार पूर्व अधिकारियों सुबीरेश भट्टाचार्य, अशोक साहा, कल्याणमय गंगोपाध्याय और शांति प्रसाद सिन्हा को जमानत दिए जाने के खिलाफ फैसला सुनाया। दोनों न्यायाधीश मामले में चार अन्य आरोपियों कौशिक घोष, सुब्रत सामंत रॉय, एसके अली इमाम और चंदन उर्फ रंजन मंडल को जमानत देने पर सहमत हुए। उन पर पैसे लेकर नौकरी देने के मामले में बिचौलिए की भूमिका के आरोप हैं। वरिष्ठ वकीलों के अनुसार, पांच आरोपियों से संबंधित मामला, जिसमें न्यायालय स्पष्ट निर्णय पर पहुंचने में विफल रहा है, अब मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम को स्थानांतरित किया जाएगा। वह इसे तीसरी पीठ को सौंपेंगे। चटर्जी को 23 जुलाई, 2022 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। बाद में सीबीआई ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। सीबीआई ने इसी मामले में विभाग के चार अधिकारियों को बाद में गिरफ्तार किया था।

धनशोधन मामले में गिरफ्तार लावा के एमडी को जमानत

एजेंसी । नई दिल्ली

स्मार्टफोन निर्माता चीनी कंपनी वीवो से जुड़े धनशोधन मामले में लावा इंटरनेशनल मोबाइल कंपनी के एमडी हरिओम राय को दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को जमानत दे दी। राय को पिछले साल अक्तूबर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। उन्हें न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने राहत प्रदान की है। राय को वीवो-इंडिया और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। सितंबर में एक सत्र अदालत ने राय को जमानत देने से इनकार कर दिया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि भारत में करों के भुगतान से बचने के लिए वीवो-इंडिया द्वारा 62,476 करोड़ रुपए अवैध

रूप से चीन हस्तांतरित किए गए। जांच एजेंसी ने जुलाई 2022 में वीवो-इंडिया और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान चीनी नागरिकों और कई भारतीय कंपनियों से जुड़े एक बड़े धनशोधन रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया था।

अडानी ग्रुप के स्टाफ को BJP विधायक के समर्थकों ने पीटा, दफ्तर में मचाया उत्पात

जम्मालमडुगु। आंध्र प्रदेश के जम्मालमडुगु में अडानी समूह के कैम्प ऑफिस में जमकर बवाल हुआ है। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायकों के समर्थकों ने दफ्तर में जमकर तोड़फोड़ की और स्टाफ के साथ भी मारपीट की है। फिलहाल, इस संबंध में समूह के सदस्यों ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस का कहना है कि हमले में शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, घटना कडपा जिले के जम्मालमडुगु विधानसभा क्षेत्र के कोंडापुरम रागीकुंटा गांव के पास की है।

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध तीन दिन के लिए बढ़ा

राज्य में फैले तनाव को लेकर सरकार का फैसला

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में फैले तनाव के बीच राज्य सरकार ने सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध को तीन दिन के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने के बाद मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध बढ़ाने का फैसला किया है। निर्देश के मुताबिक इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थूओबाल, चूराचांदपुर और कांगपोकपी में अगले तीन दिन तक मोबइल इंटरनेट बंद रहेगा। मणिपुर सरकार ने राज्य में अशांति के चलते बंद की गई ब्रॉडबैंड सेवाओं को मंगलवार को तीन दिन बाद बहाल कर दिया था। गृह आयुक्त एन अशोक कुमार ने कहा था कि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी।

आदेश में कहा गया कि इंटरनेट प्रतिबंध ने महत्वपूर्ण कार्यालयों, संस्थानों और घर से काम करने वाले लोगों के कामकाज को प्रभावित किया है। लोगों की समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने ब्रॉडबैंड सेवाओं के मामले में सशर्त निलंबन हटाने का विचार किया है। वहीं मोबाइल इंटरनेट डाटा पर प्रतिबंध जारी रखने का फैसला किया है।

2050 तक मुश्किलों से भर जाएगी बच्चों की जिंदगी

यूनिसेफ के अनुसार, तेजी से बदलती जलवायु और तकनीक घातक साबित हो रही

एजेंसी । संयुक्त राष्ट्र

अगले ढाई दशकों में दुनिया बच्चों के लिए बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण होने वाली है। उन्हें न सिर्फ जलवायु परिवर्तन की मार झेलनी पड़ेगी बल्कि तेजी से बदलती तकनीक उत्पीड़न भी बढ़ा सकती है। इतना ही नहीं, वर्ष 2050 तक दुनियाभर में बच्चों का जनसंख्या अनुपात घट जाएगा, जिससे उनके लिए नीतियां बनाने में अनदेखियों का सिलसिला शुरू हो सकता है।

यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) की एक रिपोर्ट में इन चिंताओं का जिक्र किया गया है। बुधवार को विश्व बाल दिवस के अवसर पर 'बदलती दुनिया में बच्चों का भविष्य नामक यह रिपोर्ट जारी की गई। इसमें कहा गया है, 21वीं सदी के मध्य के बच्चों का भविष्य अंधेरे में नजर आ रहा है। यदि अभी से उनके भविष्य की चिंता नहीं की गई तो उनकी जिंदगी मुश्किलों से भर सकती है। बच्चों के लिए जिन तीन जोखिमों की पहचान की गई है, जिनमें जनसांख्यिकीय परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन और नई तकनीकें शामिल हैं।

भारत समेत चार देशों में होंगे एक तिहाई बच्चे

वर्ष 2050 तक दुनिया के एक तिहाई बच्चे भारत, चीन, नाइजीरिया और पाकिस्तान में होंगे। बच्चों की आधी आबादी केवल 10 देशों में होगी। अगले 25 साल तक भारत और चीन ही सबसे ज्यादा बच्चों की आबादी वाले देश बने रहेंगे। भारत में औसतन 35 करोड़ जबकि चीन में 20 .3 करोड़ बच्चे होंगे।

वर्ष 2050 तक तीन जोखिम बढ़ेंगे

1. जलवायु संकट : स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा होगी प्रभावित

- वर्ष 2050 तक बच्चों को मौजूदा समय से आठ गुना गर्मी, तीन गुना भीषण बाढ़ और करीब दो गुना अधिक जंगल की आग की घटनाओं का सामना करना पड़ेगा।
- तापमान के बढ़ने से मच्छर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, जीका और वेस्ट नाइल वायरस का खतरा बढ़ जाएगा।
- पीने के पानी की दिक्कत होगी। दूषित जल के कारण पांच साल तक के बच्चों में मृत्यु का खतरा अधिक होगा।
- जलवायु संकट से बच्चों का स्कूल प्रभावित होगा, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचेगा।
- 40 करोड़ शिक्षण संस्थानों पर ताला लटकने का खतरा बढ़ सकता है।

2. नई तकनीक : ऑनलाइन खतरे बढ़ जाएंगे

- नई तकनीकों को बढ़ावा मिलने से बच्चे ऑनलाइन कई प्रकार के खतरों का सामना कर सकते हैं। यौन-मानसिक उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग का शिकार हो सकते हैं।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकें असमानताओं का दौर शुरू कर सकती है। अमीर देशों में बच्चे तकनीक से जुड़ेंगे लेकिन गरीब देशों के बच्चे इससे परिचित भी नहीं होंगे।
- यूनिसेफ के अनुसार, गरीब देशों में बच्चों के लिए बाधाओं को दूर करने में विफलता का मतलब है कि पहले से वंचित पीढ़ी को और भी वंचित कर देना।
- विकसित देशों में 95 प्रतिशत लोगों के पास इंटरनेट की पहुंच है, जबकि विकासशील देशों में केवल 26 प्रतिशत लोगों के पास इंटरनेट है। इसका कारण बिजली, कनेक्टिविटी या उपकरणों की कमी है।

3. घट जाएगा अनुपात : अधिकारों की अनदेखी होने लगेगी

- वर्ष 2050 तक बच्चों का अनुपात घट जाएगा। बच्चों की संख्या 2.3 अरब के मौजूदा आंकड़ों के बराबर ही रहेगी लेकिन दुनिया की आबादी 10 अरब हो जाएगी। बच्चे दुनिया की आबादी में एक छोटे से हिस्से का ही प्रतिनिधित्व करेंगे।
- दुनियाभर में बच्चों की आबादी में गिरावट आएगी जबकि सबसे गरीब देशों विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में जनसंख्या विस्फोट हो सकता है।
- कुछ विकसित देशों में बच्चे जनसंख्या के 10 प्रतिशत से भी कम हो सकते हैं। इससे बच्चों को लेकर बनने वाली नीतियों और अधिकारों की अनदेखी हो सकती है।